हिन्दी दैनिक

आवाज प्लस

RNI. NO.: UPHIN/2008/25919

समाज में प्रभावी आगाज़

93356 93356 /dainikawazplus www.awazplus.com

वर्ष : 01, अंक : 152, पृष्ठ संख्या : 8, लखनऊ। मंगलवार 20 दिसम्बर 2023 ऑफर मूल्य ₹ 3/-

UPDATE >>

संक्रमण- पेज 3

यूपी में घबराने की बात नहीं डिप्टी सीएम ने कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर जताया भरोसा

अपराध- पेज 7

चाय बनाने को लेकर विवाद, पति ने तलवार से काट दी पत्नी की गर्दन!

खेल- 8

तीसरे वनडे को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगा भारत

एक नज़र

मिजोरम में पत्थर की खदान धंसी, तीन लोगों की जान जाने की आशंका

आइजोल। मिजोरम के ममित जिले के पुकजिंग इलाके में बुधवार को एक पत्थर की खदान धंस गई। हादसे में आशंका जताई जा रही है कि कम से कम तीन मजदूरों की मौत हुई है। हालांकि, इसकी पुष्टि नही हो पाई है। एक अधिकारी ने बताया कि सभी मजदूर राज्य के बाहर के रहने वाले हैं और संभवत- मलबे में फंसे हुए हैं। बचाव अभियान चल रहा है और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। अधिकारी ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे हुई घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। मजदूरों की पहचान भी अभी तक नहीं हो पाई है। पिछले साल नवंबर में हनाथियाल जिले के मौधर इलाके में एक पत्थर खदान दुर्घटना में 12 लोगों की मौत हो गई थी।

महुआ की अर्जी पर कोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने महुआ मोइत्रा, निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई के वकील की दलीलों को सुनने के बाद अंतरिम आवेदन पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। इस दौरान, हाईकोर्ट ने यह पूछा कि क्या महुआ मोइत्रा और व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के बीच कोई लेन-देन हुआ था। रिश्वत के बदले सवाल पूछने के आरोपों के चलते लोकसभा से निष्कासित की गई टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की मानहानि वाली याचिका पर सुनवाई पूरी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस याचिका में उन्होंने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई पर मानहानि के आरोप लगाये हैं। साथ ही मांग की है कि दोनों को उनके खिलाफ कोई भी कथित फर्जी और अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने या प्रसारित करने से रोका जाए। इस मामले में हाई कोर्ट ने महुआ मोइत्रा, निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई के वकील की दलीलों को सुनने के बाद अंतरिम आवेदन पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

राजद्रोह की जगह देशद्रोह, नाबालिग से रेप और मॉब लिंचिंग में फांसी

97 विपक्षी सांसदों की गैर-मौजूदगी में लोकसभा में पास हुए 3 नए क्रिमिनल बिल

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। लोकसभा में 3 नए क्रिमिनल बिल पास हो गए हैं. आपराधिक संशोधन विधेयकों पर चर्चा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जवाब के दौरान विपक्ष के कुल 97 सांसद अनुपस्थित रहे। इन्हें निलंबित किया गया है। नए क्रिमिनल बिलों को अब राज्यसभा में रखा जाएगा। वहां से पास होने के बाद इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा।

अंग्रेजों के समय का राजद्रोह कानून खत्म किया गया है। नाबालिग से रेप और मॉब लिंचिंग जैसे क्राइम में फांसी की सजा दी जाएगी। 3 नए क्रिमिनल बिल के लोकसभा में पास होते ही सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तीन आपराधिक कानूनों के स्थानों पर लाए गए विधेयक

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानून में अब पुलिस की भी जवाबदेही तय होगी. पहले किसी की गिरफ्तारी होती थी, तो उसके परिवार के लोगों को जानकारी ही नहीं होती थी. अब कोई गिरफ्तार होगा तो पुलिस उसके परिवार को जानकारी देगी

गुलामी की मानसिकता को मिटाने और औपनिवेशिक कानूनों से मुक्ति दिलाने की नरेन्द्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। शाह ने भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए ये भी कहा कि 'व्यक्ति की स्वतंत्रता, मानव के अधिकार और सबके साथ समान व्यवहार रूपी तीन सिद्धांत के आधार पर ये प्रस्तावित कानून लाए गए हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 3 नए क्रिमिनल लॉ बिल पर कहा, मैं इन तीन विधेयकों को लेकर आया हूं। आपने उन्हें स्थायी समिति को भेजने की मांग की. समिति ने उसमें कई संशोधन करने की अपील की थी, इसीलिए मैं वो तीनों बिल वापस लेकर नए बिल लेकर आया हूं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में पहले 485 धाराएं थी अब 531 धाराएं होंगी।

तीनों बिल पीएम मोदी के विजन का हिस्सा

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। अमित शाह ने बताया ये तीनों क्रिमिनल कानून पीएम मोदी के विजन का हिस्सा हैं. जनता मांग करती थी कि हमें सजा नहीं चाहिए, हमें न्याय चाहिए. मोदी जी के नेतृत्व में आज हम वो कर रहे हैं. जब हम न्याय कहते हैं, तो इसमें बड़े पैमाने पर ध्यान जाता है. इसमें पीड़ित और आरोपी दोनों आ जाते हैं. दंड में लोग सिर्फ आरोपी की ओर देखते थे। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने अलग-अलग सुझाव दिए हैं, सबसे बड़ी बात है इस बिल में कई नई चीजों को जगह दी गई है. जांच को हमने फॉरेंसिक जांच को जोर दिया है. जांच में टेक्नोलॉजी का इस्तेतमाल किया जाएगा. आज के बाद देश में तीन प्रकार की न्याय प्रणाली है, इस बिल के पास होने के बाद देश में एक तरह की न्याय प्रणाली होगी। अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने गुलामी की मानसिकता को मिटाने की दिशा में काम किया है। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि औवनिवेशिक कानून से मुक्ति मिलनी चाहिए और इसी के तहत गृह मंत्रालय ने कानूनों को बदलने के बारे में काम करना आरंभ किया।

न्याय प्रणाली से जुड़े कानूनों का हुआ मानवीकरण

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। शाह के मुताबिक, आजादी के बाद पहली बार अपराध न्याय प्रणाली से जुड़े तीनों कानूनों का मानवीकरण होगा. गृहमंत्री शाह ने लोकसभा में ये भी कहा कि नये कानूनों में महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करने वाले कानूनों को प्राथमिकता दी गई है, उसके बाद मानव अधिकारों से जुड़े कानूनों और देश की सुरक्षा से संबंधित कानूनों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा, मैंने तीनों विधेयकों को गहनता से पढ़ा है और इन्हें बनाने से पहले 158 परामर्श सत्रों में भाग लिया है। शाह ने कहा कि लंबे समय बाद देश की जनता ने एक ऐसी सरकार चुनी है, जिसने अपने घोषणापत्र में किए वादों को अक्षरशः लागू किया है। उन्होंने कहा, ÷हमने अनुच्छेद 370 हटाने का वादा किया था, हट गई...हमने कहा था कि राम मंदिर बनाएंगे, 22 जनवरी को वहां रामलला विराजमान होंगे...हमने कहा था कि महिलाओं को आरक्षण देंगे, हमने आरक्षण दिया...मुस्लिम माताओं-बहनों को न्याय दिलाने के लिए तीन तलाक को खत्म किया गया।

एक बार फिर कोरोना का खतरा देश पर मंडराया

भारत में कोरोना के नए सब-वैरिएंट के 21 एक्टिव केस

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का नया सब-वैरिएंट भारत में भी दस्तक दे चुका है. अब भारत के तमाम राज्यों में इससे होने वाले इन्फेक्शन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. अब तक कोरोना के सब-वैरिएंट JN.1 (Covid New Strain) के 21 मामले सामने आ चुके हैं. इनमें से 19 केस की गोवा में पहचान की गई है, जबकि एक-एक मामले केरल और महाराष्ट्र में पाए गए हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, कोविड का नया सब-वैरिएंट अब तक 40 देशों में फैल चुका है. इस नए सब-वैरिएंट की खासियत ये है कि ये दूसरे स्ट्रेन की तुलना में तेजी से फैलता है।

सरकार के थिंक टैंक NITI आयोग के सदस्य (हेल्थ) वीके पॉल ने बुधवार को इसकी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि नए सब-वैरिएंट के एक्टिव मामलों में 92.8 प्रतिशत मामले होम-आइसोलेशन के हैं, जो हल्की बीमारी का संकेत देते हैं. कोविड के कारण अस्पताल में भर्ती होने की दर में कोई वृद्धि नहीं देखी गई है।

राज्यों को सतर्कता बरतने के निर्देश

आवाज प्लस डेस्क, नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सब-वैरिएंट छह.1 को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सतर्कता बरतने को कहा है. स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बुधवार को देशभर में स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की. उन्होंने कोरोना वायरस के उभरते सब-वैरिएंट को लेकर सतर्क रहने पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, इस समय सतर्क रहना और कोरोना वायरस के नए और उभरते स्ट्रेन के खिलाफ तैयार रहना महत्वपूर्ण है. उन्होंने कोविड के नए स्ट्रेन को रोकने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच को-ऑर्डिनेशन की जरूरत पर जोर दिया. स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा, आइए हम केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर हर तीन महीने में एक बार मॉक ड्रिल करें. अच्छे प्रयासों को साझा करें।

एक दिन में कोविड के 614 नए केस

आवाज प्लस डेस्क, नई दिल्ली। इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को अपडेट आंकड़ों के मुताबिक, भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 614 नए मामले सामने आए हैं. यह 21 मई के बाद से सबसे अधिक है. वहीं, एक्टिव मामले बढ़कर 2,311 हो गए हैं।कोरोना के नए सब-वैरिएंट JN.1 के बारे में सामने आया है कि इसका सबसे पहला केस अगस्त में लक्जमबर्ग में पाया गया. इसके बाद यह धीरे-धीरे 36 से 40 देशों में फैल गया. विश्व स्वास्थ्य संगठन(WHO) इस सब-वैरिएंट को ÷वैरीएंट ऑफ इंटरेस्ट÷ कहा है. JN.1 को पहले इसके मूल वंश BA.2.86 के हिस्से के रूप में वर्गीकृत किया गया था, लेकिन WHO ने अब इसे अलग प्रकार के तौर पर वर्गीकृत किया है। WHO ने कहा है कि मौजूदा टीके छह.1 और कोविड??-19 वायरस के दूसरी वैरिएंट से होने वाली गंभीर बीमारी और मौत की रोकथाम जारी रखेंगे. वहीं, जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक वायरोलॉजिस्ट एंड्रयू पेकोज ने कहा है कि छह.1 अधिक जोखिम पैदा नहीं करता है.

बेरोजगारी पर कोई चर्चा नहीं हो रही है,सांसद दुखी हैं: राहुल गांधी

विपक्षी सांसदों को संसद से बाहर फेंक दिया, उस पर चर्चा नहीं हो रही : राहुल गांधी

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल किए जाने से संबंधित विवाद को लेकर बुधवार को कहा कि विपक्ष के करीब 150 सांसदों को संसद से बाहर फेंक दिया गया, लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में उनकी, तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा नकल उतारे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्च सदन में कहा कि संसद परिसर में उनकी नकल उतारकर किसान समाज और उनकी जाति (जाट) का अपमान किया गया है। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''अपमान किसने किया, कैसे किया? वहां सांसद बैठे थे, मैंने उनका वीडियो लिया। मेरा वीडियो मेरे फोन में ही है। मीडिया दिखा रहा है, मीडिया कह रहा है, मोदी जी कह रहे हैं, किसी और ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने क्षोभ जताते हुए यह भी कहा, ''हमारे करीब 150 सांसदों को संसद से बाहर फेंक दिया, उस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है. राफेल पर फ्रांस ने कहा है कि जांच की अनुमति नहीं मिल रही है, इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। बेरोजगारी पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। हमारे सांसद दुखी हैं, वहां बैठे हैं, उसको लेकर आप चर्चा नहीं कर रहे हैं।

मिमिक्री विवाद पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पहली बार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सांसद वहां बैठे थे, मैंने उनका वीडियो शूट किया। मेरा वीडियो मेरे फोन पर है। मीडिया इसे दिखा रहा है। किसी ने कुछ नहीं कहा। हमारे 150 सांसदों को (सदन से) बाहर निकाल दिया गया है, लेकिन मीडिया में उस पर कोई चर्चा नहीं है। अदाणी पर कोई चर्चा नहीं, राफेल पर कोई चर्चा नहीं, बेरोजगारी पर कोई चर्चा नहीं। हमारे सांसद निराश होकर बाहर बैठे हैं, लेकिन आप उस (मिमिक्री) पर चर्चा कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा, ''अपमान किसने किया, कैसे किया? वहां सांसद बैठे थे, मैंने उनका वीडियो लिया, मेरा वीडियो मेरे फोन में ही है, मीडिया दिखा रहा है, मीडिया कह रहा है, मोदी जी कह रहे हैं, किसी और ने कुछ नहीं कहा।''

सांसदों के निलंबन का 1989 का रिकॉर्ड टूटा

क्या 34 साल पुराना इतिहास दोहराएगा विपक्ष?

संजीव श्रीवास्तव/आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। इस शीतकालीन सत्र में लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों का ऐतिहासिक तौर पर निलंबन हुआ है. विपक्ष इस पर आगबबूला है. वहीं सरकार इसे विपक्षी सांसदों के सदन में बर्ताव से जोड़ रही है. आईये जानते हैं कि मनमोहन सरकार की तुलना में मोदी सरकार सांसदों के निलंबन में कहां खड़ी नजर आती है?

संसद में हुई सुरक्षा चूक मामले को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी है. भारी हंगामे के बीच संसद से सांसदों का निलंबन आज भी जारी रहा. सोमवार और मंगलवार को कुल मिलाकर अब तक कुल 141 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है. लोकसभा और राज्यसभा के 46-46 सांसद कल

निलंबित किए गए थे. वहीं आज लोकसभा के 49 सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित हो गए हैं. इसी के साथ सांसदों के निलंबन के सारे रिकार्ड टूट गए हैं, क्योंकि इससे पहले 1989 में एक दिन में 63 सांसदों को निलंबित किया गया था लेकिन यहां सोमवार को एक अकेले दिन 92 सांसदों को सदन से बाहर कर दिया गया.ऐसे में सवाल उठता है कि क्या विपक्ष इस वाकये से आक्रोशित हो कर 1989 के इतिहास को दोहराएगा?

दरअसल, विपक्षी सांसद संसद सुरक्षा चूक मामले पर सदन में पीएम मोदी की मौजूदगी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग कर रहे हैं. साथ ही विपक्षी सांसद इस मामले पर सदन में चर्चा और आरोपियों के लिए पास की सुविधा प्रदान करने वाले बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. वहीं, सत्तापक्ष का कहना है कि विपक्ष संसद की कार्यवाही रोक समय बर्बाद कर रहा. संसद की कार्यवाई में बाधा उत्पन्न करने वाले सांसदों के खिलाफ स्पीकर ने निलंबन का कदम उठाया है. यह पहली बार है जब दो दिन के भीतर 141 सांसदों को सस्पेंड किया गया है। नरेंद्र मोदी सरकार में अलग-अलग समय पर लोकसभा और राज्यसभा स्पीकर ने कुल मिलाकर 26 बार सांसदों पर निलंबन की कार्रवाई की है. मोदी सरकार में कुल 282 सांसदों को निलंबित किया गया, जिसमें 94 राज्यसभा सदस्य और 188 लोकसभा सदस्य शामिल थे. वहीं, मनमोहन सिंह की अगुवाई वाली यूपीए कार्यकाल में 2004 से लेकर 2014 तक 43 सांसद निलंबित किए गए थे, जिसमें 7 राज्यसभा सदस्य और 36 लोकसभा सदस्य थे. इस तरह मनमोहन सरकार की तुलना में मोदी सरकार में कई गुना ज्यादा सांसदों का निलंबन हुआ है. मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में सांसदों के निलंबन का आकड़ा ज्यादा रहा है। संसद में एक दिन में इतने सांसदों का निलंबन पहली बार हुआ है. संसद के इस शीतकालीन सत्र में सोमवार और मंगलवार को मिलाकर कुल 141 सांसदों को सस्पेंड किया गया है. इससे पहले पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार 1989 में 63 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था. इस तरह 1989 में एक दिन में सस्पेंड होने वाले सांसदों की संख्या का रिकॉर्ड टूट गया है. संसद की सुरक्षा चूक मामले में विपक्ष मांग कर रहा था कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बयान दें और चर्चा करें. इसी बात को लेकर विपक्ष और सत्तापक्ष में गतिरोध बना बरकरार है।

साल 1989 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे, उनके कार्यकाल में एक दिन 63 सांसदों को निलंबित किया गया था. पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की जांच के लिए बनी जस्टिस ठक्कर आयोग की रिपोर्ट को 15 मार्च 1989 में संसद में पेश किया था. विपक्ष राजीव सरकार को बोफोर्स मुद्दे पर घेर रहा था और हंगामा कर रहा था. ऐसे में 63 सांसदों को निलंबित कर दिया गया, जो अब तक का लोकसभा में सांसदों के निलंबन का एक रिकॉर्ड है, यह रिकॉर्ड शीतकालीन सत्र के 18 दिसंबर 2023 को 78 सांसदों के निलंबन के साथ टूट गया. हालांकि, अब और उस समय के निलंबन में मुख्य अंतर यह है कि इन सांसदों को हफ्ते के बाकी बचे दिनों के लिए निलंबित किया गया था, जो कि तीन दिन था. जबकि इस बार, सासंदों को सदन के बाकी सत्र के लिए ही निलंबित कर दिया गया है. हालांकि. उस समय सांसदों द्वारा अध्यक्ष से माफी मांगने के एक दिन बाद निलंबन रद्द कर दिया गया था।

मोदी सरकार और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के चलते संसद के दोनों सदनों के 141 सांसदों के निलंबन को विपक्ष बड़ा मुद्दा बनाने में जुटा है. यह निलंबन ऐसे समय हुआ है, जब विपक्षी दलों वाले प्छक्प। गठबंधन की बैठक हो रही है. बैठक में सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर चर्चा हो सकती है, जिसमें कोई बड़ा फैसला विपक्ष ले सकता है. 1989 में राजीव गांधी की 400 से ज्यादा सांसदों की प्रचंड बहुमत की सरकार थी, विपक्ष के 63 सांसदों को सदन से सस्पेंड कर दिया गया था. इसके बाद विपक्ष बोफोर्स मुद्दे पर घेरते हुए विपक्षी दलों ने सांसदों ने लोकसभा से जिस तरह सामूहिक इस्तीफा दिया था. 1989 जैसा ही कदम विपक्ष इस बार भी उठाएगा।

जेडीयू नेता केसी त्यागी ने एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर सहमति बनी तो लोकसभा से सामूहिक इस्तीफा जैसा कदम भी उठाया जा सकता है. त्यागी कहते हैं, हालांकि अभी इस मुद्दे पर विचार नहीं हुआ है, लेकिन जिस तरह सरकार विपक्ष के नेताओं और सांसदों को निशाना बना रही है, उसका जवाब देना होगा. राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन विपक्ष को संसद में अपनी आवाज नहीं उठाने दी थी, तब पूरे विपक्ष ने लोकसभा से सामूहिक इस्तीफा दिया था और उसके बाद 1989 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को हार मिली थी. ऐसे में विपक्ष में सहमति बनती है तो फिर से इतिहास दोहराया जा सकता है।

सम्पूर्ण देशवासी 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को दीपावली की तरह मनायें : गिरी महाराज

आवाज प्लस डेस्क

उरई जालौन। राम जन्मभूमि न्यास ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी युगपुरुष महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद जी गिरी महाराज ने संपूर्ण देशवासियों से आगामी 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को दीपावली की तरह मनाने का संदेश दिया है। स्थानीय स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा आयोजन हेतु नगर प्रवास पर आए स्वामी जी स्थानीय अखंड परमधाम आश्रम में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। स्वामी परमानंद जी महाराज ने कहा कि जनमानस की जागरूकता से आज यह समय आया है। पूर्व में तुष्टीकरण में लगी सरकारें कारसेवकों पर गोली चलाती थीं। आज हिंदू जागरुक हुआ है उसी जागरूकता के परिणाम स्वरुप हिन्दू समाज के अनुकूल सरकारें आयी हैं। और सभी बाधायें दूर हुयी, भव्य राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग रामराज्य का ही

है। राम का इतिहास जन कल्याण का है। भगवान परशुराम ने भी प्रभु श्रीराम की वंदना की है। स्वामी परमानंद जी ने आगामी लोकसभा चुनाव के संदर्भ में प्रश्न के जवाब में कहा कि अब हिंदू समाज बरगलाने में नहीं आएगा। विपक्ष कितने भी गठबंधन कर ले उसे सफलता नहीं मिलेगी। सनातन धर्म के प्रश्न पर स्वामी परमानंद जी ने कहा कि सनातन धर्म विश्व कल्याण के लिए है, सनातन कभी भी दूसरों का बुरा नहीं सोचता है।श्री मद्भागवत की महिमा का भी उन्होंने वर्णन किया है।आध्यात्मिकता की ओर जाते हुए स्वामी परमानंद जी ने कहा कि मनुष्य का जन्म दो प्रकार से होता है, एक मां के गर्भ से, दूसरा शास्त्रों द्वारा प्रदत्त संस्कारों से। इस अवसर पर उपस्थित गुरु महाराज के उत्तराधिकारी एवं कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद जी ने कहा कि राम के बिना हमारा जीवन अस्तित्वहीन है। उन्होंने देश के युवाओं से आगे बढ़कर हिंदू समाज को संगठित करने हेतु समर्पण की अपील की। उन्होंने सम्पूर्ण हिन्दू समाज से कहा कि आपके वोट की ताकत से ही आज भव्य राम मंदिर निर्माण हो रहा है। आगे मथुरा और फिर काशी विश्वनाथ भी विवाद रहित होगा। उन्होंने कहा कि हिंदू जागरूक रहा तो भविष्य में आगरा का ताजमहल भी तेजोमहालय के रूप में हिंदू समाज को प्राप्त होगा। उन्होंने संपूर्ण हिंदू समाज से 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के दिनअपने घरों के पास स्थित मंदिरों में पूजा अर्चना करने व घरों में दीपावली की तरह दीप प्रज्वलन कर भगवान की स्तुति करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि भगवान राम के मंदिर निर्माण के साक्षी बन पा रहे हैं। इस अवसर पर आश्रम संचालक स्वामी दयानंद जी, महामंडलेश्वर साध्वी दिव्य चेतना, डॉ धर्मेन्द्र मिश्रा, शिवराज निरंजन (लेखपाल), प्रधानाचार्य देवेंद्र तिवारी, पवन अग्रवाल एडवोकेट, मोहन निरंजन आदि साधक उपस्थित थे।

मौसेरे भाई के साथ रह रही पत्नी, उसी के कमरे में फंदे से लटका मिला पति का शव

बरेली। बरेली के थाना हाफिजगंज के गांव भरसड़ निवासी 40 वर्षीय धर्मपाल का शव शहर के हरुनगला में एक मकान में फंदे से लटका मिला। यहां उसकी पत्नी दूसरे युवक के साथ किराये पर रहती है। पत्नी से उसका मुकदमा चल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ जांच शुरू कर दी है। धर्मपाल के बड़े भाई रामचंद्र ने बताया कि 16 साल पहले थाना इज्जतनगर के चावड मुड़िया गांव निवासी कुसुम के साथ धर्मपाल का विवाह हुआ था। डेढ़ साल पहले कुसुम अपने तीनों बच्चे लेकर अपने रिश्ते के मौसेरे भाई काधरपुर निवासी राजकुमार के साथ चली आई। कुसुम उसके साथ पत्नी की तरह रह रही है। आरोप लगाया कि इन लोगों ने प्रदीप नाम के युवक से बुलवाकर धर्मपाल की पिटाई की। इसके बाद राजकुमार, कुसुम और प्रदीप ने मिलकर धर्मपाल की हत्या कर दी। इसके बाद उसका शव फंदे से लटका दिया।

तहसीलदार ने सभी पटलों का निरीक्षण कर जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिये निर्देश

आवाज प्लस डेस्क

उई, जालौन। तहसील आई जनता परेशान न हो इसको लेकर तहसीलदार ने सभी पटलो का औचक निरीक्षण किया इस दौरान उन्होने वहा पर मौजूद कर्मचारियों को जनता के कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये। मालूम हो कि तहसील अब महज किसानों के लिए ही नही बल्कि सभी लोगों को यहा कागजी प्रक्रिया के लिए आना और सरकारी कार्यालयों में जूझना पडता है। विदित हो कि आय,जाति और निवास प्रमाण पत्र भी यही से जारी होते हैं तो राशन कार्ड के लिए भी यही आना पडता है इसके साथ किसानों को खसरा खतौनी तथा अन्य जमीनी कामकाज के लिए यहा आना पडेगा इसके अलावा जमीनी विवादो का हल भी यही से निकलता है और इसी के चलते भी कार्यो के पटल बनाये गये हैं। शासन ने सभी कार्यो के लिए समय सीमा भी निर्धारित कर रखी है लेकिन तहसीलदार शेर बहादुर सिंह

को सूचना मिली थी कि कुछ राजस्व कर्मी काम से आये लोगो को परेशान कर रहे हैं जिसको संज्ञान में लेकर उन्होने मंगलवार को लेखपाल और कानूनगो सहित कई पटलो के कामकाज का तरीका परखा और वहा मौजूद जनता से भी कार्य के बारे में जानकारी की। इस मौके पर उन्होने राजस्व कर्मियो को हिदायद दी कि बेवजह जनता को परेशान न किया जाये। वही तहसीलदार के आकस्मिक निरीक्षण से राजस्व कर्मियो में खलबली मची है।तहसीलदार के मुताबिक जनता की समस्याओं का समाधान करना शासन की प्राथमिकताओं मे शामिल है इसलिए उनको अनदेखा करने वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

एक नज़र

छठी की छात्रा से गैंगरेप

फोन पर पोर्न देखने के लती थे छात्र, फिल्म की क्लिपों से भरी थी गैलरी; एडल्ट एप मिले

झांसी। झांसी से थाना बम्होरी कला के अंतर्गत आने वाले एक गांव के स्कूल में छठी में पढ़ने वाली दस वर्षीय छात्रा के साथ सातवीं के दो छात्रों ने दुष्कर्म किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पोर्न फिल्म देखने के लती थे। छठवीं की छात्रा संग दुष्कर्म करने के आरोपी सातवीं कक्षा के दोनों किशोर छात्रों को सोमवार तड़के पुलिस ने उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को छानबीन में मालूम चला कि दोनों आरोपी छात्र मोबाइल फोन पर पोर्न फिल्म देखने के लती थे। उनके मोबाइल फोन की गैलरी पोर्न फिल्म की क्लिपों से भरी थी। दोनों के मोबाइल फोन में एडल्ट मोबाइल के एप इंस्टाल मिले। स्कूल में दोनों अपने दोस्तों के साथ मोबाइल पर पोर्न फिल्म देखते थे। इसी वजह से छात्रा को अपने साथ सुनसान इलाके में लेकर गए थे। पूछताछ के बाद दोनों छात्रों का मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद दोनों को छतरपुर स्थित बाल सुधार गृह भेज दिया गया। झांसी के थाना बम्होरी कला क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में शनिवार शाम छठवीं की छात्रा संग गांव के ही सातवीं के दो छात्रों के सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया। आरोपी छात्र अपने साथ छात्रा को गांव से बाहर एक सूनसान इलाके में ले गए। यहां दोनों ने छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी छात्रों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की थी लेकिन, आरोपी छात्र वारदात के बाद घर छोड़कर फरार हो गए। सोमवार तड़के सुराग मिलने पर पुलिस दोबारा उनके गांव पहुंची। यहां आरोपी छात्र घर से ही गिरफ्तार कर लिए गए। दोनों छात्रों की उम्र 13-15 के बीच है। थाना प्रभारी नीतेश जैन के मुताबिक छानबीन में मालूम चला कि दोनों आरोपी छात्र मोबाइल फोन पर पोर्न फिल्म देखने के लती थे। उनके मोबाइल की गैलरी पोर्न फिल्मों की क्लिप से भरी हुई थी। मोबाइल पर कई एडल्ट एप भी इंस्टाल पाए गए। छात्रों ने पुलिस को बताया कि स्कूल में अक्सर अपने दोस्तों के साथ पोर्न फिल्म देखते थे। पोर्न फिल्म देखने से ही छात्रा को अपने साथ ले जाने का फैसला किया। आरोपी छात्र के परिवार के लोग खेती-किसानी करते हैं लेकिन, उन्होंने पढ़ाई के लिए छात्रों को मोबाइल फोन दिला दिया था। थाना प्रभारी के मुताबिक आरोपी छात्रों को किशोर न्यायालय में पेश करने के बाद उनको छतरपुर स्थित बाल सुधार गृह भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में चौकी प्रभारी आकाश रुसिया समेत अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे।

तीन साल की मासूम बच्ची संग चचेरे भाई ने किया दुष्कर्म

झांसी। समथर थाने के अंतर्गत आने वाले एक गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने का मामला सामने आया है। तीन साल की बच्ची के साथ उसके चचेरे भाई ने दरिंदगी की। इसके बाद खून से लथपथ हाल में घर में छोड़कर भाग निकला। आरोपी के खिलाफ परिजनों ने समथर थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। बच्ची का मेडिकल चेकअप कराने के साथ ही पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है। बच्ची के पिता गांव में रहकर खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि सोमवार को वह खेत पर गए थे। बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाला उनका भतीजा घर पहुंचा। बच्ची को खिलाने के बहाने अपने साथ गोदी में उठाकर ले गया। कुछ देर बाद बच्ची को रोता हुआ घर में छोड़कर भाग निकला। बच्ची को रोता देख जब परिवार के लोग पहुंचे तब उसके प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। देर-शाम परिजन बच्ची को लेकर समथर थाने पहुंच गए। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के मुताबिक परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मेरे बाप और भाई के साथ संबंध बनाओ, वर्ना दे दूंगा तलाक

बरेली। बरेली में एक महिला पर उसके पति ने ससुर और देवर के साथ रहने का दबाव बनाया। महिला ने विरोध किया तो पति ने तलाक देने की धमकी दी। पीड़ित महिला ने एसएसपी से शिकायत की है। उन्होंने पुलिस को जांच का आदेश दिया है। सीबीगंज थाना क्षेत्र की महिला सोमवार को एसएसपी दफ्तर पहुंची। उसने बताया कि वह एक छोटी कंपनी चलाती थी। वर्ष 2020 में उसने सीबीगंज के एक युवक को दुबई की कंपनी में काम करने के अनुभव के आधार पर नौकरी दे दी। इस दौरान दोनों में प्रेम हो गया। वर्ष 2022 में वह गर्भवती हो गई। उसने युवक पर निकाह करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने धोखे से गर्भपात करा दिया। पीड़ित ने बताया कि युवक ने कंपनी के 2.70 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। उसकी गैर मौजूदगी में दफ्तर से 1.20 लाख रुपये व सामान चोरी कर लिया। महिला ने थाने में युवक के खिलाफ शिकायत की। इस पर 20 जून 2022 को युवक ने उससे निकाह कर लिया। निकाह के बाद शौहर उसका उत्पीड़न करने लगा। हद तो तब हो गई, जब उसने अपने छोटे भाई और पिता से संबंध बनाने का दबाव बनाया। महिला ने विरोध किया तो वह तलाक देकर दूसरी शादी करने की धमकी देने लगा। कई बार समझाने पर शौहर की अपनी करतूतों से बाज नहीं आया। इसके बाद पीड़िता ने एसएसपी दफ्तर में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। मामले में जांच का आदेश दिया गया है।

स्लग- चोरों ने सूने घर को बनाया निशाना लाखों रुपये की चोरी की घटना को दिया अंजाम

आवाज प्लस डेस्क

उरई जालौन। जालौन में चोरों ने सूने घर को अपना निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है अज्ञात चोरों ने नगदी व आभूषणों सहित करीब 8 लाख की चोरी की घटना को अंजाम दिया और से फरार हो गए वही मकान मालिक की सूचना पर फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुँची जांच पड़ताल में जुटी। आपको बता दे कि पूरा मामला उरई कोतवाली क्षेत्र के पटेल नगर का है जहां पर रहने वाला एक व्यापारी का परिवार अपने गाँव परिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया हुआ था तभी अज्ञात चोर घर के ताले तोड़कर घर मे घुस गए और घर मे रखी करीब 4 लाख रुपये से अधिक की नगदी व 3 से 4 लाख रुपये कीमत के सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए और मौके से फरार हो गए वही जब आज परिवार बापस घर आया तो उन्हें घर के ताले टूटे हुए मिले और घर मे रखी नगदी व आभूषण गायब मिले तब पूरी घटना का खुलासा हुआ वही मकान मालिक शिवम में तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी सूचना मिलते ही फॉरेंसिक टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुँची और पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। वही इस पूरे मामले में सी ओ सिटी गिरजा शंकर त्रिपाठी का कहना है कि एक घर मे चोरी की सूचना मिली थी जिस पर फॉरेंसिक टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुँची और बरीकी से घटना का निरीक्षण किया साथ ही आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है जल्द ही सभी चोरों की गिरफ्तारी कर घटना का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

रूस में एमबीबीएस कराने के नाम पर सात लाख रुपये की ठगी, पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत

बरेली। बरेली के संजय नगर निवासी युवक से रूस में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर सात लाख रुपये की ठगी कर ली गई। मामले की शिकायत एसएसपी से की गई है। एसएसपी ने जांच के निर्देश दिए हैं। बारादरी के संजय नगर गोपालनगर निवासी सर्वेश कुमार ने मंगलवार को एसएसपी दफ्तर पहुंचकर बताया कि उसने जीव विज्ञान से बीएससी किया है। वह एमबीबीएस के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इसके लिए कोचिंग करता था। सर्वेश कुमार ने एक कैरियर प्वाइंट पर संपर्क किया तो उसके संचालक ने सर्वेश को झांसे में ले लिया। बताया कि रूस के एक मेडिकल कॉलेज में उसकी अच्छी जान पहचान है। उसने सात लाख में एमबीबीएस में प्रवेश कराने का झांसा दिया।

पति से झगड़े के बाद विवाहिता ने जहर खाकर दी जान

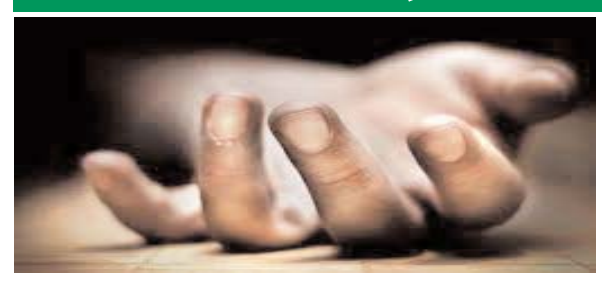

आवाज प्लस डेस्क

झांसी। गरौठा के दुरखुरू गांव में पति से झगड़े के बाद विवाहिता ने जहर खाकर जान दे दी। परिजनों का कहना है कि दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। सोमवार को दोनों खेत में दवा का छिड़काव कर रहे थे। उसी दौरान दोनों में विवाद होने लगा। इसी दौरान विवाहिता ने जहर खा लिया। परिजनों ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई। दुरखुरु गांव निवासी कमलेश अहिरवार पत्नी चमेली (30) के साथ सोमवार को खेत में दवा का छिड़काव कर रहा था। परिजनों का कहना है कि इसी दौरान दोनों के बीच विवाद होने लगा। कमलेश ने शराब भी पी रखी थी। गुस्से में आकर उसने सबके सामने चमेली के साथ गाली गलौज कर दी। यह बात चमेली को नागवार गुजरी। खेत से वह सीधे घर पहुंची। यहां उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। शाम को जब परिजन घर पहुंचे, तब चमेली अचेत हाल में बिस्तर पड़ी थी। परिजन तुरंत उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। मंगलवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा

आवाज प्लस डेस्क

बरेली। बरेली क्लब मैदान में 15 दिसंबर को योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ था। इसमें लक्ष्य पूरा करने के लिए दंपती को दूल्हा-दुल्हन बनाकर निकाह करा दिया गया। बरेली के भोजीपुरा इलाके में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। अनुदान के लालच में शादीशुदा जोड़े ने दोबारा निकाह कर लिया। दोनों की तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। नगर पंचायत धौराटांडा के पूर्व सभासद मोहम्मद ताहिर ने अधिकारियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर इसकी शिकायत की है। दर्ज कराई शिकायत में मोहम्मद ताहिर ने बताया कि नगर पंचायत धौराटांडा को योजना के तहत 20 शादियां कराने का लक्ष्य मिला था। 15 दिसंबर को बरेली क्लब मैदान में हुए समारोह में लक्ष्य पूरा करने के लिए अधिकारियों ने वार्ड पांच निवासी दंपती को दूल्हा-दुल्हन बनाकर निकाह करा दिया। कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने फोटो खींचे थे। उन्हें सोशल मीडिया पर साझा किया गया।

कनेक्शन जोड़ते समय करंट लगने से गिरकर निविदा लाइनमैन की मौत

आक्रोशित परिजनों ने किया लखनऊः बांगरमऊ मार्ग जाम

आवाज प्लस डेस्क

हसनगंज (उन्नाव)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद के हसनगंज बिजली घर पर मेसर्स ब्राडकास्ट इन्जिनियरिंग कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड (बेसिल) के अंतर्गत कार्य कर रहे लगभग 40 वर्षीय निविदा कौशल सिंह शटडाउन लेकर पोल पर सुरक्षा उपकरण के अभाव में कनेक्शन जोड़ते समय बिजली की चपेट में आकर खम्भे से नीचे गिर जाने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई, निविदा कौशल सिंह के साथ रहे निविदा कर्मी ने बिजली उपकेंद्र से बिना सूचना शटडाउन वापस लेने से बात कही है। कौशल की मौत पर रोती बिलखती पत्नी सहित आक्रोशित परिजनों ने लखनऊ- ने बांगरमऊ मार्ग पर शव रख जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। बिजली विभाग के अवर अभियन्ता ने बताया जो भी दोषी पाया जाएगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर पहुंचीं कोतवाल राजेश्वर त्रिपाठी व नायब तहसीलदार पूर्णिमा तिवारी पहुंचीं और मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास किया। कोतवाली पुलिस और नायब ते तहसीलदार और परिजनों से बात की, तो उन्होंने बिजली विभाग से पांच लाख रुपये, तहसील से कृषक पट्टा और मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख की आर्थिक मदद की मांग की की। इसके उपरान्त नायब तहसीलदार ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया, मुआवजा और कृषि भूमि पट्टा का बुधवार शाम पांच बजे कौशल कस्बे लिखित आश्वासन और नायब तहसीलदार ने मांगों को हर संभव पूरा कराने का आश्वासन दिया और समझाकर शांत कराया। तब परिजन शांत हुए। इसके बाद शाम करीब सात बजे शव को सड़क से हटाया जा सका और जाम यातायात शुरू हुआ। इस दौरान करीब दस किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

बताते चले कि हसनगंज कोतवाली के कुरौली गांव निवासी कौशल सिंह (40) बिजली विभाग में ठेका एजेंसी मेसर्स ब्राडकास्ट इन्जिनियरिंग कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड (बेसिल) के माध्यम से करीब सात साल से निविदा लाइनमैन के रूप में काम कर रहा था। लाइट न आने की एक शिकायत पर अपने एक साथी जगनेश के साथ एक क्लीनिक में नया बिजली विभाग के अधिकारियों को मौके पर कनेक्शन करने गया था। निविदा कर्मी जगनेश के मुताबिक उसने हसनगंज पावर हाउस को इसकी सूचना देकर शटडाउन लेकर पोल पर चढ़कर कनेक्शन जोड़ रहा था तभी पावर हाउस से बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई। करंट लगने से कौशल, सड़क पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर कोई सुरक्षा उपकरण नहीं पाया गया था।

संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क के किनारे मिली महिला की लाश

आवाज प्लस डेस्क

झांसी। मऊरानीपुर के बरुआमाफ संपर्क मार्ग पर मंगलवार सुबह सड़क किनारे महिला की लाश बरामद हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी उसकी मौत की वजह साफ नहीं हो सकी। इस वजह से विसरा सुरक्षित रखवाया गया है। महिला का अपने पति के साथ विवाद चल रहा था। कुछ दिन पहले ही उसने पति के खिलाफ मुकदमा जीता था। उधर, मायके पक्ष के लोग हत्या का आरोप लगा रहे हैं। भगवंती कोरी (45) पत्नी रमेश आर्य पति से अलग अपने मायके बरुआमाफ गांव में रहती थी जबकि पति रमेश आर्य निवाड़ी के तरीचर कला में रहता है। करीब 19 साल पहले उनकी शादी हुई थी। शादी के कुछ साल बाद से ही दोनों में विवाद होने लगा। इसके बाद भगवंती अपने बेटे अजय को लेकर अलग रहने लगी। पति के खिलाफ उसने दहेज उत्पीड़न समेत अन्य आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में कुछ दिन पहले ही कोर्ट ने भगवंती के पक्ष में फैसला सुनाया था। परिवार के कुछ लोग दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता कराने में जुटे थे। परिजनों का कहना है सोमवार शाम इसी वजह से वह घर से निकली थी। रात में लौटकर घर नहीं आई। परिजनों के तलाशने पर भी मालूम नहीं चला। मंगलवार सुबह उसका शव सड़क के किनारे पड़ा मिला। पुलिस का कहना है कि महिला के शरीर पर ऊपरी चोट के निशान नहीं हैं। मऊरानीपुर इंस्पेक्टर जेपी पाल का कहना है कि मौत की वजह साफ नहीं हुई। विसरा को सुरक्षित रखवाया गया है। मायके पक्ष की ओर से कोई तहरीर अभी तक नहीं दी गई है।

गौशाला की व्यवस्थाओं को लेकर बीडीओ ने कसे अधीनस्थों के पेंच

आवाज प्लस डेस्क

उई (जालौन)। रामपुरा विकास खण्ड अधिकारी ओमप्रकाश द्विवेदी ने सोमवार को सभी ग्राम विकास अधिकारियों को बुलाकर सर्दी की शुरुआत को देखते हुए व्यवस्थाओं को लेकर आदेशित किया। सोमवार को बीडीओ ओमप्रकाश द्विवेदी अचानक ब्लॉक के सभी ग्राम विकास अधिकारियों को बुलाकर सर्दी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए ब्लॉक क्षेत्र में संचालित गौशालाओं में मौजूद गौवंश को सर्दी से बचाव के लिए जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिये। बीडीओ ने कहा कि रात्रि के समय गौशाला में अलाव जलाना अनिवार्य हैं। जिससे गौवंश को सर्दी से बचाया जा सकें। सर्दी के मौसम में चलने वाली ठण्डी तेज हवाओं से बचाव के लिए गौशाला में बने बाड़ो को चारों तरफ से तिरपाल से कवर किया जाये। भूसा व पानी की उचित व्यवस्था होनी चाहिये। सर्दी से बीमार गौवंशों को तत्काल पशु चिकित्सक को बुलाकर उसका इलाज किया जाना चाहिए। इत्यादि बातों के साथ बीडीओ ने कहा कि दिये गये निर्देश तत्काल प्रभाव से किये जायें तथा विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम जिन ग्राम पंचायतों में होना है। वहाँ के ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी उपलब्ध कराई जाये। उक्त बैठक में बीडीओ ओमप्रकाश द्विवेदी के साथ एडीओ पंचायत भारत सिंह, ग्राम विकास अधिकारियों में रत्नेश, राममोहन, केश्वकान्त, मुकेश आदि सहित समस्त सचिव मौजूद रहे।

ऊर्जा राज्य मंत्री ने राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन का 76वे अधिवेशन का किया उद्घाटन

संजीव श्रीवास्तव/आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन उत्तर प्रदेश के 76 में वार्षिक महा अधिवेशन का भव्य उद्घाटन ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर द्वारा किया गया। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन उत्तर प्रदेश के 76 में वार्षिक महा अधिवेशन का भव्य उद्घाटन ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर द्वारा किया गया। संगठन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूम में ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर ने कहा कि विद्युत अभियंताओं की कार्यकुशलता एवं मेहनत की बदौलत प्रदेश उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर ने कहा कि सभी अभियंताओं एवं ऊर्जा परिवार को मिलकर हमें इस प्रकार का कार्य करना चाहिए कि उपभोक्ताओं का विश्वास विद्युत अभियंताओं के प्रति और बढ़े। इसके साथ ही ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर ने रविंद्रालय में प्रदेश के कोने-कोने से आए हजारों विद्युत अभियंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री से मिलकर आपकी समस्याओं का समाधान कराऊंगा तथा हम सब मिलकर माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को बेहतर उपभोक्ता सेवा प्रदान करेंगे। ऊर्जा राज्य मंत्री द्वारा संगठन प्रतिनिधियों के प्रति माह बैठक कर बेहतर उपभोकता सेवा और मांगे/समस्याओं पर चर्चा उनका समाधान किया जायेगा। महाधिवेशन में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में जूनियर इंजीनियर और प्रोन्नत अभियंताओं ने प्रतिभाग किया तथा बेहतर उपभोकता सेवा हेतु प्रस्ताव और संवर्ग की समस्याओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही संगठन ने मुख्य मंत्री/ऊर्जा मंत्री से 3 दिसम्बर 2022 दिनाक को हुए समझौते को अति शीघ्र लागू करने की मांग की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष इंजीनियर जयप्रकाश ने की तथा कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय महासचिव इंजीनियर जीबी पटेल ने किया एवं मुख्य अतिथि के सामने संगठन का मांग पत्र वह समस्याओं को रखा।

अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों के संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया जिसमें विशेष रूप से आल इंडिया फेडरेशन ऑफ पावर डिप्लोमा इंजीनियर के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर आर के त्रिवेदी, महासचिव इंजीनियर अभिमन्यु धनकर, आल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर के सलाहकार इंजीनियर सुधीर पवार, डिप्लोमा महासंघ उत्तर प्रदेश के केंद्रीय अध्यक्ष इंजीनियर एच के मिश्र, महासचिव इंजीनियर नितिन श्रीवास्तव आदि ने प्रदेशभर से आए जूनियर इंजीनियर एवम प्रोनत्त अभियंताओं को महाधिवेशन शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक इंजीनियर सतनाम सिंह ने कहा कि जूनियर इंजीनियर इंजीनियर संगठन और उसके सदस्य सरकार की मंशा के अनुरूप बेहतर उपभोक्ता सेवा और विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ती के लिए कटिबद्ध है। संवर्ग की समस्याओं का निराकरण हो हम सब प्रबंधन के साथ दिन रात मेहनत से कार्य के लिए समर्पित है। संगठन के मार्गदर्शक इंजीनियर सुशील चंद्र दिक्षित, इंजीनियर एसबी सिंह, इंजीनियर मनोज जयसवाल, इंजीनियर एस एन पटेल, इंजीनियर विकास मिश्रा, इंजीनियर विवेक पटेल, इंजीनियर कैलाश सिंह यादव, इंजीनियर राम अचल, इंजीनियर प्रभा शंकर तिवारी, इंजीनियर एस एम सिंह, इंजीनियर एस पी सिंह, इंजीनियिर विकास मिश्रा, इंजीनियर सुरेश चंद्र सिंह सहित संगठन के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारियों सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

यूपी में घबराने की बात नहीं

डिप्टी सीएम ने कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर जताया भरोसा

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रदेश में व्यापक स्तर पर टेस्ट कराए जा रहे हैं। फिलहाल घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना पूरी तरह से कंट्रोल में है। यह कोरोना का कोई वेरिएंट नहीं, बल्कि सब वेरिएंट है। उत्तर प्रदेश में कोविड का नया सब वेरिएंट पूरी तरह से काबू में है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से तैयार है। यह कहना है उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का। वह बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में आयोजित देश के सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में सम्मिलित हुए थे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रदेश में व्यापक स्तर पर टेस्ट कराए जा रहे हैं। फिलहाल घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना पूरी तरह से कंट्रोल में है। यह कोरोना का कोई वेरिएंट नहीं, बल्कि सब वेरिएंट है। इस बैठक में प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी भी शामिल थे।

एक नज़र

काशी-मथुरा कानूनी विवादः आरएसएस का वादा भी नहीं टूटा और 2024 में चुनावी फायदा भी तय

श्संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी भूमि विवाद पर फैसले का संभावित राजनीतिक प्रभाव 2024 लोकसभा चुनावों तक जा सकता है।

ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मामलों में चल रही कानूनी लड़ाइयां कहीं न कहीं राजनीतिक घटनाक्रमों को भी प्रभावित करेंगी ही। मंगलवार को काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी (Gyanvapi) मसले पर इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला आया था। कोर्ट ने इसमें मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिकाएं खारिज कर दीं। हाई कोर्ट के इन फैसलों का असर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों में देखा जा सकता है। हालांकि, 2019 में अयोध्या पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद संघ परिवार ने वादा किया था कि ज्ञानवापी और कृष्?ण जन्मभूमि विवाद को लेकर आंदोलन शुरू नहीं करेगा। लेकिन उम्?मीद है कि इन मामलों में चल रही कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक घटनाक्रमों पर असर पड़ेगा। हालांकि दोनों मामलों में संघ परिवार चुप्पी साधे हुए है, लेकिन कुल मिलाकर स्थितियां उसके अनुकूल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि 1980 के दशक में अयोध्या, काशी और मथुरा विवादास्पद मुद्दे थे और यही आगे चलकर संघ परिवार के अभियान की नींव बने थे। राम जन?मभूमि आंदोलन के दौरान, %अभी तो केवल झांकी है, काशी-मथुरा बाकी है% जैसे नारा लगाए जाते थे। इससे भगवा खेमे के भविष्?य की योजनाओं की झलक मिलती थी। इसी का लाभ 1991 में मिला जब बीजेपी की ताकत बढ़ी और कल्?याण सिंह की अगुआई में पार्टी ने बहुमत प्राप्?त करके सरकार बनाई। इसके बाद बीजेपी का आधार बढ़ता रहा और अंततः केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्?व में सरकार बनी। भले ही अयोध्?या फैसले के बाद आरएएस ने मथुरा, काशी के मुद्दे न उठाने की घोषणा की थी लेकिन जब हिंदूवादी दलों ने इन मामलों में कानूनी कार्रवाई का सहारा लिया तो आरएसएस ने भी इसमें रुचि दिखाई। राजनीतिक विश्?लेषकों का कहना है कि आरएसएस को पता है कि इन मुकदमों का राजनीति पर जरूर प्रभाव पड़ेगा और इससे आगे जाकर कहीं न कहीं बीजेपी को चुनावी फायदा मिलकर ही रहेगा।

सस्पेंड करना था तो बड़ी संसद क्यों बनवाई...डिंपल समेत कई सांसदों पर हुआ एक्शन तो अखिलेश ने दिखाए तेवर

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा में सुरक्षा चूक के मुद्दे पर कई दिनों से सदन में विपक्ष का हंगामा चल रहा है। 100 से ज?यादा सांसदों को निलंबित किया जा चुका है। इनमें यूपी से डिंपल यादव, एसटी हसन और दानिश अली का नाम भी शामिल है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी सांसदों के निलंबन मामले पर सत्तारूढ़ बीजेपी के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पूछा कि जब सांसदों को निलंबित करना था तो अधिक क्षमता वाली बड़ी संसद क्यों बनवाई? सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्सपर लिखा, जनता पूछ रही है जब सांसदों को निलंबित ही करना था तो फिर अधिक क्षमता वाली बड़ी संसद के नाम पर नई संसद बनवाई ही क्यों? अखिलेश यादव ने लिखा, इससे अच्छा तो बीजेपी सरकार पुरानी संसद में ही दो-तीन लोगों के लिए एक नया कमरा बनवा लेती, क्योंकि इस सरकार में न तो किसी को प्रश्न पूछने दिया जाता है न कोई चर्चा करने दी जाती है और जो भी फैसले होते हैं वो भी कुछ लोग ही करते हैं।

दुखद हादसा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद के हसनगंज बिजली घर पर मेसर्स ब्राडकास्ट इन्जिनियरिंग कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड (बेसिल) के अंतर्गत कार्य कर रहे निविदा कौशल सिंह की सुरक्षा उपकरण के अभाव में बिजली की चपेट में आकर खम्भे से नीचे गिर जाने से मृत्यु हो गई।

नवयुग में हुआ लैंगिक भेदभाव पर नुक्कड़ नाटक

सशक्त नारी से ही निर्मित होगा सशक्त समाज -प्रोफेसर मंजुला

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के प्रांगण में बीएड प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं (शालिनी अवस्थी,ीसी मिश्रा, नीलम यादव, रितिका गोयल, अनन्या शर्मा, रिया सोनकर, प्रिया भारती, आशा कुमारी, फरहीन फातिमा (चार्ट), अपूर्वा मिश्रा (चार्ट), निहारिका यादव (चार्ट)) के द्वारा ÷लिंग भेद÷ शीर्षक के अंतर्गत एक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण किया गया। आज की नारी ,सब पर भारी÷ जैसे जल नारों के माध्यम से सभी छात्राओं के मध्य नारी की महत्ता को बताने का प्रयास किया गया है साथ ही यह बताने का प्रयास भी किया गया है कि लैंगिक आधार पर महिलाओं के साथ हमेशा भेदभाव होता रहा है।परंपरागत रूप से समाज में महिलाओं को कमज़ोर वर्ग के रूप में देखा जाता रहा है। वे घर और समाज दोनों जगहों पर शोषण, अपमान और भेद-भाव से पीड़ित होती हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने छात्राओ के इस अथक प्रयास की भूरी भूरी प्रशंसा की और छात्राओं का बहुत उत्साहवर्धन किया। पढ़ी लिखी महिलाओं का दायित्व है कि वह लिंग भेद के विरुद्ध आवाज उठाये और समाज की वंचित महिलाओं को शोषण के खिलाफ बोलने की प्रेरणा दें। समाज मे महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं, किन्तु अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। इस अवसर पर बीएड विभाग की प्रवक्ताएं प्रोफेसर रशीदा खातून, डॉ सरिता कनौजिया, प्रोफेसर निशी गुप्ता, श्रीमती मनीषा बड़ोनिया एवं राशि रस्तोगी उपस्थित रही।

हर घर नल योजना

मोदी के सपने को साकार करने में सरपट दौड़ रहा योगी का प्रदेश

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वही 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है। उत्तर प्रदेश में युद्धस्तर पर दिए जा रहे नल कनेक्शन का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। यूपी में नल कनेक्शन देने की रफ्तार अब राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गई है। यूपी ने मंगलवार को 72.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देश में 72 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है। इस उपलब्धि पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और जल निगम (ग्रामीण) की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश निरंतर जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना में बुलंदियां हासिल कर रहा है। हम बहुत जल्द यूपी के एक-एक ग्रामीण परिवार तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा करेंगे। 2019 में जब हर घर नल योजना की शुरुआत हुई तब यूपी में महज 1.96 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन था। वही 2019 में राष्ट्रीय औसत 16.81 प्रतिशत था। इस दौरान दो साल तक कोरोना महामारी के बाद भी महज चार साल में यूपी का औसत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।

बुंदेलखंड और विंध्य के जिलों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के बाद अब सरकार का फोकस आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद पर है। योजना के चतुर्थ फेज के तहत इन जिलों में गंगा और यमुना नदियों से पानी देने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों में जल सप्लाई पहुंचाने का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूरा किया जाना है। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की ग्रामीण परिवारों को हर घर जल पहुंचाने की योजना का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। योजना से ग्रामीण युवाओं को रोजगार के मौके भी दिये जा रहे हैं। अब तक सात लाख से अधिक युवाओं को प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, मोटर मैकेनिक, फिटर, राजमिस्त्री और पम्प ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

KGMU में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के प्रदर्शन से मरीज बेहाल, जमकर मचा हंगामा

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। लखनऊ केजीएमयू में आउटसोर्सिंग पर काम करने वाले कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया है। वेतन से जुड़े मामलों को लेकर कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे है। एक कर्मचारी का कहना है कि समय से वेतन नहीं मिलता है। वेतन बढ़ने की बजाए सैलरी में से कटौती की जा रही है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के प्रदर्शन से हाहाकार मच गया है। केजीएमयू में आउटसोर्सिंग के जरिये काम करने वाले कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार हंगामा कर दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि हमारी सैलरी समय पर नहीं मिलती। साथ ही सैलरी में से पैसे भी काटे जाने का आरोप लगाया है। एक कर्मचारी ने कहा कि हम लोग आउटसोर्सिंग कर्मचारी नहीं बल्कि आउट शोषण कर्मचारी है। वहीं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के विरोध-प्रदर्शन के कारण दूर-दराज से आने वाले मरीज और केजीएमयू में भर्ती मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल बुधवार को केजीएमयू में आउटसोर्सिंग के जरिये काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर ऑफिस से निकल-निकल केजीएमयू परिसर में एकत्रित हो गए, और जमकर हंगामा करने लगे। नाराज कर्मचारियों ने कामकाज ठप्प करके ट्रामा सेंटर का दरवाजा बंद कर दिया। जिसकी वजह से बड़ी संख्या में मरीजो को तक्लीफ भी सहनी पड़ी। इस दौरान कुछ मरीजों को बिना इलाज के ही वापस लौटना पड़ने की भी बात कही जा रही है। कर्मचारियों ने लारी कॉर्डियोलॉजी की भी ओपीडी बंद कर दी थी। वहीं आउटसोर्सिंग पर काम कर रहे एक कर्मी ने बताया कि वो 2016 से काम कर रहे है लेकिन इतने सालों में एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी। उसके बावजूद उस सैलरी में से भी पैसा काटने पर तुले है। कर्मचारी ने कहा कि रविवार के पैसे काटने की कोशिश की जा रही है। अगर सन्डे के भी पैसे काटें जाएंगे तो कैसे काम चलेगा। क्या हम प्लास्टिक के आदमी है बीमार नहीं पड़ सकते है। कर्मचारी ने अपनी पीड़ा सुनाते हुए कहा कि इन 8 सालों में भले ही 8 रुपए सैलरी नहीं बढ़ी हो लेकिन महंगाई कहा से कहा पहुंच गई है। इन 8 सालों में परिवार भी बढ़ गया है। पत्नी और दो-दो बच्चे हो गए है। हाल ये है कि बच्चों को फीस भी समय पर जमा नहीं हो पाती है। अगर हमारे मां-बाप बीमार पड़ जाए तो खर्चा कैसे चलाएंगे।

लेट सैलरी और तनख्वाह में कटौती से परेशान कर्मी

लखनऊ। एक कर्मचारी ने आरोप लगाते हुए बताया कि सैलरी मिलने की 10 तारीख डेट है लेकिन आज जाकर कुछ लोगों की सैलरी आई है। उसमें भी किसी का 2 हजार तो किसी का ढाई हजार रुपया काटा गया है। उसने बताया कि क्यूनमेरी विभाग में आउटसोर्सिंग में काम कर रहे कर्मचारियों को धमकी दी गई है कि जो कर्मचारी धरने में शामिल होगा, उसे टर्मिनेट कर दिया जाएगा। उसने कहा कि हम 2015 से देख रहे है जिसने भी अपने हक की आवाज उठाई है उसे नौकरी से निकाल दिया गया है। वहीं वार्ड-ब्वाय और स्वीपर पर काम करने वाले कर्मचारी ने बताया कि हम लोगों को 10 हजार रुपये सैलरी मिलती है लेकिन उसमें भी कटौती हो रही है। 10 हजार में से 2 हजार रुपए काट लिए गए है।

केजीएमयू में हजारों की संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मचारी

लखनऊ। कर्मचारी ने आगे बताया कि अगर 15-16 हजार सैलरी में 4 हजार रुपए काट लेंगे तो कैसे बीमार मां-बाप की दवाई लाएंगे, और कैसे बच्चों के कपड़े व उनकी फीस जमा करेंगे। पीड़ित ने बताया कि कुछ जभी कर्मचारी है जिनकी 7, 8 हजार रुपए सैलरी आई है। इतने में कोई कैसे रोटी खाएगा। उसने कहा कि कम से कम दो वक्त की रोटी का पैसा तो मिलना चाहिए। इसके साथ ही एक कर्मचारी ने कहा कि हो सकता है इस प्रदर्शन के बाद हम लोगों को निकाल दिया जाए। उसने कहा कि ब्रिटिश गवर्मेंट की तरह यह आउटसोर्सिंग दी है, अगर आपकी इच्छा है तो इंडिया में रहिए अन्यथा जहर खाकर मर जाइए। केजीएमयू में हजारों की संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मचारी काम कर रहा है।

5-5 हजार रूपए तक काटे जाने का आरोप

वहीं महिला कर्मचारी ने बताया कि हम लोगों का शोषण किया जा रहा है। कंपनी द्वारा निर्धारित डेट पर सैलरी नहीं आती है। जब सैलरी आती है तो बहुत सारी चीजों की कटौती की जाती है। उसने बताया कि हमारी सैलरी और पीएफ पर जीएसटी काटा जाता है। हम लोगों को कोई छुट्टी नहीं मिलती है। आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारी ने कहा कि वीक ऑफ की भी सैलरी काटी जा रही है। इसको लेकर कई बार अधिकारियों से बात की लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। इसी को लेकर आज हम लोग अपनी गुहार लगा रहे हैं। अगर मांगे पूरी नहीं हुई तो आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। महिला कर्मचारी ने बताया कि इस बार 5-5 हजार रुपए सैलरी से काट लिए गए हैं।

रेलवे बोर्ड का अयोध्या पर ध्यान केंद्रित

❖ एनआर व एनईआर जीएम, डीआरएम उरे व सीनियर डीसीएम के साथ रेलवे बोर्ड अध्यक्षा ने किया अयोध्या नगर का दौरा

संजीव श्रीवास्तव/आवाज प्लस

लखनऊ। बुधवार को को रेलवे बोर्ड अध्यक्षा व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जया वर्मा सिन्हा अन्य उच्चाधिकारियों के साथ अपने निरीक्षण कार्यक्रम के तहत अयोध्या नगर पहुंचीं। उरे लखनऊ मंडल की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि इस दौरान उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी, पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबंधक सौम्या माथुर, मुख्यालय के अन्य अधिकारियों सहित डीआरएम डॉ. मनीष थपल्याल व मंडल के अन्य अधिकारी अयोध्या स्टेशन पहुंचें। उपरोक्त निरीक्षण में अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीमती जया वर्मा सिन्हा के साथ महाप्रबन्धक/पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर, महाप्रबंधक/उत्तर रेलवे शोभन चौधुरी, पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एस.सी. श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य इंजीनयर रंजन यादव, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर संजय सिंघल, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक मनोज कुमार सिन्हा, मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल रफीक अहमद अंसारी, मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/प्रोजेक्ट आर.के.सिंह, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह, सचिव/महाप्रबन्धक आनन्द ऋषि श्रीवास्तव एवं लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/इंफ्रा राजीव कुमार एवं मुख्य परियोजना प्रबन्धक/गतिशक्ति राघवेन्द्र कुमार उपस्थिति थे। यहां पर सीआरबी व सीईओ रेलवे बोर्ड ने नव निर्मित भवन सहित यात्री सुविधाओं, सम्पन्न किए गए रेल कार्यों का निरीक्षण करते हुए सम्पूर्ण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने नई स्टेशन बिल्डिंग, एयर कॉनकोर्स, यात्रियों का स्टेशनों पर आगमन, उनका ठहराव, स्वच्छता, खानपान व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग की व्यवस्था का भी जमीनी जायजा लिया। इसके अलावा अयोध्या परिक्षेत्र में आने वाले पूर्वोत्तर रेलवे के रामघाट हॉल्ट व कटरा स्टेशन का भी निरीक्षण करते हुए संबंधितों को जरूरी निर्देश दिये।

फेस पेंटिंग, समूह गान, चित्रकला, एवं कोरियोग्राफी प्रतियोगिताओं के साथ साँस्कृतिक महोत्सव सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, इन्दिरा नगर द्वितीय कैम्पस द्वारा आयोजित दो-दिवसीय अन्तर-विद्यालयी साँस्कृतिक महोत्सव 'फेस्टिविटा-2023' के दूसरे व अन्तिम दिन आज प्रतिभागी छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपने ज्ञान-विज्ञान, रचनात्मक सोच, हुनर व बुद्धिमत्ता का जोरदार प्रदर्शन कर दिखा दिया कि भावी पीढ़ी समाज के रचनात्मक उत्थान के प्रति अत्यन्त जागरूक है। फेस पेंटिंग, समूह गान, चित्रकला, समूह नृत्य एवं कोरियोग्राफी प्रतियोगिताओं में छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा देखते ही बनती थी 'फेस्टिविटा-2023' के सायंकालीन सत्र में विजयी प्रतिभागियों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया। विदित हो कि इस दो दिवसीय साँस्कृतिक महोत्सव में लखनऊ के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के 400 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। 'फेस्टिविटा-2023' की प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में पैलेट परेड (फेस पेन्टिंग) प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों की खासी रूचि रही, इसी प्रकार, क्वायर विद रैप (समूह गान) प्रतियोगिता में कक्षा-4 व 5 के प्रतिभागी छात्र टीमों ने 'वार एण्ड पीस' थीम पर सामूहिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया । कोरियोग्राफी प्रतियोगिता में भी छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा निखरकर सामने आई। इस प्रतिभागी छात्रों की टीम ने 'फ्यूचर ऑफ वर्ल्ड' थीम पर शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिताओं के उपरान्त आयोजित पुरस्कार वितरण व समापन समारोह में विजयी छात्रों को शील्ड, मेडल व सार्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्पादकीय

बोझ है कि घटता नहीं, नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए तत्काल सुधार जरूरी

केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश भर के विभिन्न न्यायालयों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इनमें से 85 प्रतिशत से अधिक मामले जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित हैं। बढ़ते मामलों का नकारात्मक प्रभाव आम लोगों तक न्याय की उपलब्धता पर पड़ता है। इसमें तत्काल सुधार जरूरी है। वैसे तो न्याय सभी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का एक अनिवार्य गुण है, पर भारत में इसका महत्व समानता और स्वतंत्रता जैसे मूल्यों से कहीं अधिक है। इसका कारण यह है कि भारत के संविधान में लोकतांत्रिक मूल्यों और समाजवादी सिद्धांतों के बीच संतुलन बनाया गया है। इस बारे में ऐसा कहना बेहतर होगा कि भारत में व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा के लिए वितरण न्याय को सबसे महत्वपूर्ण उपकरण बनाया गया है। संसाधनों का आवश्यकतानुसार वितरण भारत का सांविधानिक लक्ष्य है। संविधान की उद्देशिका में न्याय का जो उल्लेख है, उससे यही सिद्ध होता है कि सामाजिक-आर्थिक न्याय दिए बिना राजनीतिक न्याय (अधिकारों की रक्षा) का कोई औचित्य नहीं है। अब प्रश्न यह है कि न्याय की मंशा क्या हो? इस बारे में ऐसा कहना समीचीन होगा कि हालांकि न्याय सदैव निष्पक्ष होना चाहिए, लेकिन अगर यह विलंबित हो, तो जमीनी स्तर पर अर्थहीन हो जाएगा। न्याय में विलंब का एक बड़ा और अत्यंत महत्वपूर्ण कारण अदालतों में लंबित मामलों का बढ़ता बोझ है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, बीते जुलाई तक देश भर के विभिन्न न्यायालयों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित थे। इनमें से 85 प्रतिशत से अधिक मामले जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित थे। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के अनुसार, 14 जुलाई तक उच्च न्यायालयों में 60.62 लाख मामले लंबित थे और अधीनस्थ न्यायालयों में 4.41 करोड़ मामले लंबित थे। इंटीग्रेटेड केस मैनेजमेंट सिस्टम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, एक जुलाई तक उच्चतम न्यायालय में 69,766 मामले लंबित थे। हालांकि हाल ही में भारत के प्रधान न्यायमूर्ति ने मामलों के निपटारे के प्रति उच्चतम न्यायालय के दायित्व का हवाला देते हुए यह कहा है कि गत वर्ष देश के सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग 50 हजार मामलों का निपटारा किया और लगभग इतने ही मामले दर्ज किए गए। यानी गत वर्ष सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या में इज़ाफा नहीं हुआ। प्रधान न्यायमूर्ति ने यह भी कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय में एक समय में एक से अधिक सांविधानिक पीठ बनाई गई, ताकि बड़ी संख्या में लंबित सांविधानिक मामलों का निपटारा किया जा सके। उच्चतम न्यायालय ने 1979 में ही हुसैन आरा खातून बनाम बिहार राज्य मामले में त्वरित सुनवाई के अधिकार को मान्यता देते हुए उसे संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन के अधिकार में शामिल किया था। न्यायालय ने कहा था कि त्वरित सुनवाई आपराधिक न्याय तंत्र का मूल तत्व है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुनवाई में देरी अपने आप में किसी व्यक्ति को न्याय से वंचित करना है। विश्व में सबसे पहले 1215 में मैग्ना कार्टा की धारा 40 में यह उल्लेख किया गया था कि %हम किसी को न्याय के अधिकार से वंचित या विलंबित नहीं करेंगे।% चूंकि मैग्ना कार्टा मानवाधिकारों का पहला वैश्विक चार्टर है, अतः न्याय उपलब्धता में विलंब से मानवाधिकारों का भी उल्लंघन होता है। इसी प्रकार, अमेरिकी संविधान के छठे संशोधन, 1791 में भी त्वरित सुनवाई का उल्लेख है। इसमें कहा गया है कि सभी आपराधिक मामलों में राज्य और जिले कि निष्पक्ष जूरी द्वारा अभियुक्त के त्वरित सुनवाई के अधिकार का संरक्षण किया जाएगा। कुल मिलाकर, यह कहना उचित है त्वरित न्याय या सुनवाई का सीधा संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों की गरिमा से है। अब यदि न्यायाधीशों की संख्या पर गौर करें, तो केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री ने यह जानकारी दी है कि लंबित मामलों की संख्या कम करने और सुनवाई में तेजी लाने के लिए न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या बढ़ा दी गई है। पिछले नौ वर्षों में उच्चतम न्यायालय में 56 न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई। इसी प्रकार, उच्च न्यायालयों में 919 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई और 653 अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी किया गया। उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 2014 में 909 थी, जिसे बढ़ाकर अब 1,114 कर दिया गया है। दूसरी ओर, जिला और अधीनस्थ अदालतों में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 2014 में 19,518 थी, जिसे अब बढ़ाकर 25,246 कर दिया गया है। जहां तक न्यायाधीश-जनसंख्या अनुपात की बात है, तो भारत में प्रति दस लाख की जनसंख्या पर 21 न्यायाधीश हैं। भारत के विधि आयोग ने यह सिफारिश की है कि यह अनुपात प्रति दस लाख की जनसंख्या पर 50 जज होना चाहिए। निम्न अनुपात के कारण स्वाभाविक रूप से न्यायाधीशों पर कार्य का बोझ बढ़ता है, जिससे न केवल न्यायिक कार्यकुशलता प्रभावित होती है, बल्कि त्वरित सुनवाई का अधिकार भी बाधित होता है। सरकार द्वारा न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने से निश्चित रूप से न्यायिक कार्यकुशलता बढ़ेगी और न्याय की त्वरित उपलब्धता में भी सहायता मिलेगी। गौरतलब है कि अधिकांश मामलों में सरकार ही वादी है, जिसका सबसे बड़ा कारण सरकारी क्षेत्र में कार्य संस्कृति का कार्यकुशल नहीं होना और मंत्रालयों तथा विभागों में शिकायत निवारण तंत्र का सुदृढ़ नहीं होना है। इसका नकारात्मक प्रभाव आम लोगों तक न्याय की उपलब्धता पर पड़ता है। इसमें तत्काल सुधार जरूरी है। मामलों की त्वरित सुनवाई की दृष्टि से सरकार द्वारा उठाए गए दो कदम अत्यंत सराहनीय हैं। पहला, फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना, और दूसरा, ई-कोर्ट के तीसरे चरण के लिए चालू वित्त वर्ष में 7,000 करोड़ रुपये का आवंटन। उल्लेखनीय है कि देश भर में 758 फास्ट ट्रैक कोर्ट कार्यरत हैं, जिनमें पॉक्सो कानून के तहत मामलों के निपटारे के लिए 411 ऐसी अदालतें शामिल हैं। इसी प्रकार, ई-कोर्ट परियोजना के तहत निचले स्तर तक न्याय उपलब्धता बढ़ाने की कोशिश जारी है। गौरतलब है कि नए बदलते परिवेश में नए कानूनों की आवश्यकताएं बढ़ गई हैं। इन परिस्थितियों में नए अथवा संशोधित कानूनों के तहत बहुत बड़ी संख्या में नए विवादित मामले आ गए हैं, जिनके कारण लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि की समस्या और गंभीर हो गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि कई अवसरों पर प्रक्रियात्मक कानून भी मामलों के निपटान में देरी की गुंजाइश पैदा करते हैं। कभी-कभी न्यायपालिका को कानून में प्रयुक्त शब्द के वास्तविक अर्थ की व्याख्या में समय लगता है। इसलिए प्रक्रियात्मक कानूनों को सरल बनाने की आवश्यकता है। समग्र रूप से सभी मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है, तभी अन्याय दूर कर अर्थपूर्ण न्याय दिया जा सकता है।

कला और साहित्य अकादमी पुरस्कारों की बंदर बांट

-डॉ. सत्यवान सौरभ

आज जिस प्रकार से सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कुछ योग्य एवं अयोग्य साहित्यकार, कवि, लेखक, कलाकार साम-दाम-दण्ड-भेद सब अपना रहे हैं और अपने प्रयासों में प्रायः सफल भी हो रहे हैं, उससे सम्मानों और पुरस्कारों के चयन की प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है। पिछले दशकों में पुरस्कारों की बंदर बांट कथित साहित्यकारों, कलाकारों और अपने लोगों को प्रस्तुत करने के लिए विशेष साहित्यकार, पुरोधा कलाकार, साहित्य ऋषि जैसी कई श्रेणियां बनी है। जिसके तहत विभिन्न अकादमियां एक दूसरे के अध्यक्षों को पुरस्कृत कर रही है और निर्णायकों को भी सम्मान दिलवा रही है। इन पुरस्कारों में पारदर्शिता का अभाव है। राज्य अकादमी पुरस्कारों की वार्षिक गतिविधियां संदिग्ध है। जो कार्य एक वर्ष में पूर्ण होने चाहिए उनको करने में सालों लग रहें है। पुरस्कारों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया स्पष्ट और समयानुसार नहीं है। उदाहरण के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी के वार्षिक परिणामों की घोषणा का साल खत्म होने को है, मगर अभी तक नहीं हुई है। न ही आगामी साल का प्रपत्र जारी किया गया है। एक अकादमी के भीतर क्या- क्या खेल चलते है ? पारदर्शिता के अभाव में किसी को पता नहीं चलता। आज हम देखते हैं कि अधिकांश साहित्य और कला अकादमियों के मंच पर पुरस्कृत होने वाले लोगों में अधिकतर को कोई जानता भी नहीं है। यह सच है कि आज जितनी राजनीति में राजनीति है उससे अधिक राजनीति साहित्य और कलाओं में है। प्रेमचंद ने साहित्य को राजनीति के आगे जलने वाली मशाल कहा था। लेकिन देश भर में आज साहित्य राजनेताओं के पीछे चल रहा है। पिछले दशकों में हुए साहित्य, संस्कृति और भाषा के पतन का असर आगामी पीढ़ियों तक जाएगा। लेकिन किसे फिक्र है। राज्य अकादमी पुरस्कारों की वार्षिक गतिविधियां संदिग्ध है। जो कार्य एक वर्ष में पूर्ण होने चाहिए उनको करने में सालों लग रहें है। पुरस्कारों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया स्पष्ट और समयानुसार नहीं है। उदाहरण के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी के वार्षिक परिणामों की घोषणा का साल खत्म होने को है, मगर अभी तक नहीं हुई है। न ही आगामी साल का प्रपत्र जारी किया गया है। एक अकादमी के भीतर क्या- क्या खेल चलते है ? पारदर्शिता के अभाव में किसी को पता नहीं चलता। वैसे कोई भी पुरस्कार या सम्मान उत्कृष्टता का पैमाना नहीं हो सकता। हिंदी भाषा में निराला, मुक्तिबोध, फणीश्वरनाथ रेणु, धर्मवीर भारती, राजेंद्र यादव, असगर वजाहत जैसे महत्वपूर्ण कवियों-लेखकों को भी साहित्य अकादमी पुरस्कार नहीं दिया गया और बहुत से ऐसे लेखकों को पुरस्कृत किया गया, जिन्हें कभी का भुलाया जा चुका है। इस बारे में विचार करना चाहिए और पुरस्कार की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना चाहिए। आज जिस प्रकार से सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कुछ योग्य एवं अयोग्य साहित्यकार, कवि, लेखक, कलाकार साम-दाम-दण्ड-भेद सब अपना रहे हैं और अपने प्रयासों में प्रायः सफल भी हो रहे हैं, उससे सम्मानों और पुरस्कारों के चयन की प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है। पुरस्कारों की दौड़ में साहित्य का भला नहीं हो सकता। पुरस्कारों की दौड़ में खोकर, भूल बैठे हैं सच्चा सृजन । लिख के वरिष्ठ रचनाकार, करते है वो झूठा अर्जन ।। मस्तक तिलक लग जाए, और चाहे गले मे हार । बड़े बने ये साहित्यकार। आज साहित्य और कला जगत में बहुत सी संस्थाएं काम कर रही है। जब मैं इन संस्थाओं की कार्यशेळी देखता हूँ या इनके समारोहों से जुडी कोई रिपोर्ट पढ़ता हूँ तो सामने आता है एक ही सच। और वो सच ये है कि किसी क्षेत्र विशेष या एक विचाधारा वाली संस्थाएं आपस में अग्रीमेंट करके आगे बढ़ रही है। ये एग्रीमेंट यूं होता है कि आप हमें सम्मानित करेंगे और हम आपको। और ये सिलसिला लगातार चल रहा है अखबारों और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरता है। खासकर ये ऐसी खबर शेयर भी खुद ही आपस में करते है। आम पाठक को इससे कोई ज्यादा लेना देना नहीं होता। अब बात करते है सरकारी संस्थाओं और पुरस्कारों की। इनकी सच्चाई किसी से छुपी नहीं। जिसकी जितनी मजबूत लाठी, उतना बड़ा तमगा। सिफारिशों के चौराहों से गुजरते ये पुरस्कार पता नहीं, किस को मिल जाये। किसी आवेदक को पता नहीं होता। इनकी बन्दर बाँट तो पहले से ही जगजाहिर है। ऐसे पुरस्कारों की विश्वसनीयता को लेकर देश भर में गंभीर आरोप लग रहे हैं। सच्चा रचनाकार इनके चक्कर में कम ही पड़ रहा है। *अब चला हाशिये पे गया, सच्चा कर्मठ रचनाकार । राजनीति के रंग जमाते, साहित्य के ये ठेकेदार ।। बेचे कौड़ी में कलम, हो कैसे साहित्यिक उद्धार । बड़े बने ये साहित्यकार।।* आज संस्थाएं एक दूजे की हो गयी है। एक दूसरे को सम्मानित करने और शॉल ओढ़ाने में लगी है। सरकारी पुरस्कार बन्दर बाँट कहे या लाठी का दम। जितनी जान-पहचान उतना बड़ा तमगा। ये प्रमाण पुरस्कार विजेताओं की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हैं। आज देशभर की साहित्य अकादमियां पद और पुरस्कारों की बंदर बांट करने में लगी है।अधिकांश अकादमियों के कामकाज को देखकर तो यही लगता है। जब तक विशेषज्ञता के क्षेत्र में राजनीतिक नियुक्तियां होती रहेगी तब तक ऐसी दुर्घटनाएं होती रहेगी। सिविल सेवा कमिशन और प्रदेशों की अकादमी में सदस्यों और अध्यक्षों की राजनीतिक नियुक्तियों ने इन संस्थाओं की विशेषज्ञता पर प्रश्न चिन्ह लगाए हैं। पिछले दशकों में पुरस्कारों की बंदर बांट कथित साहित्यकारों, कलाकारों और अपने लोगों को प्रस्तुत करने के लिए विशेष साहित्यकार, पुरोधा कलाकार, साहित्य ऋषि जैसी कई श्रेणियां बनी है। जिसके तहत विभिन्न अकादमियां एक दूसरे के अध्यक्षों को पुरस्कृत कर रही है और निर्णायकों को भी सम्मान दिलवा रही है। इन पुरस्कारों में पारदर्शिता का अभाव है। बिना साधना के कैसा साहित्य? *देव-पूजन के संग जरूरी, मन की निश्छल आराधना । बिना दर्द का स्वाद चखे, न होती पल्लवित साधना ।। बिना साधना नहीं साहित्य, झूठा है वो रचनाकार । बड़े बने ये साहित्यकार।।* अब समय आ गया है कि देश की सभी राज्य अकादमियों को केंद्रीय साहित्य अकादमी की तरह सचमुच स्वायत बनाया जाए और इनका काम पूरी तरह से साहित्यकारों, कलाकारों को सौंपा जाए। किसी भी अकादमी के वार्षिक कार्यों की प्रगति समयानुसार और पूरी तरह पारदर्शी बनाने पर जोर देना होगा ताकि सच्चे साहित्यकारों का विश्वास उन पर बना रहे। उम्मीद है कि राज्य सरकारें अकादमियों के वर्तमान विवादास्पद कार्यों की जांच कराएगी और अकादमी में योग्य और प्रतिभाशाली लेखक, कलाकारों को नियुक्त करेगी। ताकि देश भर पर भाषा, साहित्य और संस्कृति नित नए आयाम गढ़ती रहे।

वकसित देशों की जिम्मेदारी, जीवाश्म ईंधन की लक्ष्य प्राप्ति के लिए देना होगा योगदान

विकसित देशों को जीवाश्म ईंधन के लक्ष्य को पाने के लिए जलवायु कोष में उदारतापूर्वक योगदान देना होगा, अन्यथा यह मृगतृष्णा बनकर रह जाएगा। हाल ही में दुबई में संपन्न हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप 28) में दुनिया की ऊर्जा प्रणालियों से जीवाश्म ईंधन को न्यायसंगत एवं व्यवस्थित तरीके से बदलने का आह्वान किया गया, जिसे पहले के सम्मेलनों की तुलना में भारत की जीत बताया जा रहा है। कॉप 28 ने भारत और अन्य विकासशील देशों के लिए बराबरी का अवसर प्रदान किया, जबकि ग्लासगो में आयोजित कॉप 26 की घोषणा में निरंतर कोयला बिजली की चरणबद्ध कमी का आह्वान किया गया था, जो हमारी ऊर्जा जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण है। कॉप 26 में तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का उल्लेख नहीं किया गया था, जिसका इस्तेमाल अमेरिका सहित विकसित देश करते हैं। दुबई सर्वसम्मति को ऐतिहासिक घटना करार दिया जा रहा है, जिस पर 200 देशों ने हस्ताक्षर किया है। हालांकि आलोचकों का कहना है कि यह सफलता अल्पकालित हो सकती है, क्योंकि कोयला, तेल और गैस का उत्पादन निरंतर बढ़ रहा है और जीवाश्म ईंधन कंपनियां दशकों से उत्पादन बढ़ाने के लिए योजना बनाने पर काम कर रही हैं। आंकड़ों के मुताबिक, कई देश अब भी राजस्व और आर्थिक विकास के लिए पूरी तरह से जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं, जिससे रास्ता कठिन हो गया है, लेकिन जलवायु संकट से निपटने के लिए यह एक अच्छी शुरुआत है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रणनीति और नीति दुबई घोषणा के अनुरूप है, जो कई देशों में नए और निरंतर कोयला उत्पादन की अनुमति देने की सीमाओं को विश्वसनीयता और दूरदर्शिता प्रदान करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलवायु कार्रवाई को एक सहयोगात्मक प्रक्रिया बनाने के अपने संकल्प का प्रदर्शन किया है, जो किसी को पीछे नहीं छोड़ती है और अंतिम लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी देशों को साथ लेकर चलती है। भारत ने हरेक देश से दुबई सर्वसम्मति को अपनाने का आह्वान किया। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत ने जलवायु कार्रवाई के लिए जी-20 की अध्यक्षता के माध्यम से यह प्रदर्शित किया कि उसका संकल्प सामूहिक कार्रवाई के सिद्धांत पर आधारित है, जो हर देश की भागीदारी सुनिश्चित करता है। कॉप 28 भारत के %वसुधैव कुटुम्बकम% के दर्शन को प्रदर्शित करता है। भारत ने पहले ही 2070 तक कार्बन-तटस्थ बनने के अपने संकल्प को प्रदर्शित किया है, इसलिए 2030 से पहले कोयला आधारित बिजली स्टेशनों को पुनः अपनाने की उसकी कोई योजना नहीं है। भारत और चीन के महत्व और दबाब के कारण दुबई सर्वसम्मति के दस्तावेज से %नए और निर्बाध कोयला आधारित बिजली उत्पादन की अनुमति को सीमित करने% के संदर्भ को हटा दिया गया, जो दोनों देशों के हित में है और दीर्घकालीन अर्थों में लाभप्रद है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि विकसित देशों को जीवाश्म ईंधन के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से बनाए गए कोष में उदारतापूर्वक योगदान देना होगा, अन्यथा यह मृगतृष्णा बनकर रह जाएगा। आलोचकों ने कॉप 28 समझौते पर आपत्ति जताई है, जिसमें भविष्य में कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों को पाने के लिए सभी कारकों का व्यापक विवरण नहीं है। कई वैज्ञानिकों ने कार्बन कैप्चर पर चिंता जताई है, जो अब भी अप्रमाणित है। विश्लेषकों का मानना है कि कॉप 28 की सबसे बड़ी खामी जलवायु-प्रभावित देशों को पर्याप्त धन उपलब्ध कराने के प्रति विकसित देशों की प्रतिबद्धता और संकल्प की कमी है, ताकि वे अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने के अलावा नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने और जलवायु संकट के बढ़ते प्रभावों को अनुकूलित करने में सक्षम बन सकें और 2050 तक नेट जीरो लक्ष्य हासिल कर सकें। समझौते के अंतिम मसौदे में विकसित देशों द्वारा प्रति वर्ष 100 अरब डॉलर देने की पहले जताई गई प्रतिबद्धता का जिक्र नहीं है, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। मात्र 47 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता जताई गई है, जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है। इस पृष्ठभूमि में जलवायु विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों का मानना है कि विकासशील देशों के पास नए लक्ष्यों की तरफ बढ़ने के अलावा और कोई चारा नहीं है। ये देश अपनी ऊर्जा जरूरतों और कमजोर आर्थिक स्थिति से संचालित होते हैं, इसलिए तेल, गैस और कोयला का इस्तेमाल होता रहेगा, हालांकि कॉप 28 भविष्य में जलवायु आपदा के गंभीर परिणामों को समझने का मार्ग सुझा सकता है।

1971 के युद्ध का सबक, मजहब राष्ट्रों की एकजुटता की गारंटी नहीं

विजय दिवस न केवल भारत की पाकिस्तान पर 1971 में शानदार जीत की याद दिलाता है बल्कि यह बांग्लादेश के जन्म की कहानी भी कहता है। तेरह दिनों तक चले इस युद्ध में भारतीय सेना के बहादुरी और शौर्य के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए। विश्व के इतिहास में 16 दिसम्बर का दिन अमिट हो गया। उसी दिन विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर एक नया राष्ट्र उभरा और उसी दिन भारत की सेना के समक्ष पाकिस्तान के 93 हजार से अधिक सैनिकों ने अपने सेना प्रमुख जनरल अमीर अब्दुल्ल खान नियाजी के साथ आत्म समर्पण कर युद्धों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। विश्व के इतिहास और राजनीतिक भूगोल को बदलने वाले महानायक इंदिरा गांधी, मानेक शॉ और जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा आदि भले ही आज सशरीर मौजूद नहीं हैं मगर जब भी नया राष्ट्र बांग्लादेश अपना स्थापना दिवस मनाएगा और भारतवासी अपने गौरवमय इतिहास में झांकेंगे तो तब ये महानायक जरूर याद आएंगे। यही नहीं पाकिस्तान जब भी भारत के खिलाफ सैन्य दुस्साहस करेगा तब-तब उसे 1971 की शर्मनाक हार जरूर याद आएगी। सन् 1971 की जीत ने अंग्रेजों द्वारा धर्म के आधार पर 1905 में किए गए बंगाल विभाजन और दुबारा इसी आधार पर भारत के विभाजन की सोच को गलत साबित कर दिया। विजय दिवस न केवल भारत की पाकिस्तान पर 1971 में शानदार जीत की याद दिलाता है बल्कि यह बांग्लादेश के जन्म की कहानी भी कहता है। तेरह दिनों तक चले इस युद्ध में भारतीय सेना के बहादुरी और शौर्य के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए। 16 दिसंबर 1971 को शाम 4.35 बजे पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल ए.के.नियाजी ने 93 हजार सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और भारत के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का ये सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था। इसके साथ ही दुनिया के मानचित्र पर एक नए देश बांग्लादेश का उदय हुआ। 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत की विजय और बांग्लादेश के निर्माण ने पूरी दुनिया में जहां भारत का सम्मान बढ़ाया वहीं भारत ने दिखा दिया कि मानवता की रक्षा और अपनी सुरक्षा के लिए वह पूरी तरह से सक्षम और समर्थ है। पाकिस्तान का जन्म धर्म के आधार पर हुआ था,लेकिन धर्म पाकिस्तान को लंबे अरसे तक एकजुट नहीं रख सका। तब मौजूदा पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान था और आज का बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था। आजादी के कुछ साल बाद ही पंजाबी प्रभुत्व और पश्चिमी पाकिस्तान के दबदबे के खिलाफ पूर्वी हिस्से में असंतोष पनपने लगा। 1971 में बांग्लादेश का जन्म दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक घटनाओं में से एक थी। भारतीय सैनिकों ने जिस साहस से सिर्फ तेरह दिन पाकिस्तान को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया, उसके साथ ही दुनिया का नक्शा बदल गया और दुनिया के नक्श पर बांग्लादेश नया देश बन गया। दरअसल आज का बांग्लादेश और 1971 से पहले का पूर्वी पाकिस्तान वही पूर्वी बंगाल था जिसे अंग्रेजों ने धर्म के आधार पर 1905 में विभाजित किया था। पाकिस्तान के जन्म के साथ से ही पश्चिमी पाकिस्तान की ओर से पूर्वी पाकिस्तान यानी बांग्लादेश के साथ भेदभाव शुरू हो गया। 1948 में उर्दू को पाकिस्तान की राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। बांग्लाभाषी लोगों में इसे लेकर गुस्सा भड़क उठा। ढाका में छात्रों के एक बड़े समूह ने बांग्ला को बराबरी का दर्जा दिए जाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने निहत्थे छात्रों पर गोलियां चलाईं। कई निहत्थे लोग इस गोलीबारी में मारे गए। इसके बाद बांग्ला आंदोलन हिंसक हो गया। इस आंदोलन ने भाषाई पहचान को लेकर अलग देश की मांग के बीज बो दिए। इस आंदोलन ने बंगाली राष्ट्रीय अस्मिता को जन्म दिया और फिर शुरू हुई अलग राष्ट्र बनाने की मांग। बांग्लादेश की आजादी को लेकर संघर्ष के बीज तो 1952 में ही पड़ गए गए थे, जब पाकिस्तानी हुकूमत ने उर्दू को पूरे देश की आधिकारिक भाषा बनाने की घोषणा की थी। बांग्ला संस्कृति व भाषा की अलग पहचान समेटे पूर्वी पाकिस्तान के लिए तब हुकूमत का वह फैसला अस्मिता का सवाल बन गया। जिसकी परिणिति एक अलग व स्वतंत्र देश के रूप में सामने आई। शेख मुजीबुर रहमान पूर्वी पाकिस्तान की स्वायत्ता के लिए शुरू से संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने इसके लिए छह सूत्री कार्यक्रम की घोषणा की थी। इन सब बातों से वह पाकिस्तानी शासन की आंख की किरकिरी बन चुके थे। साथ ही कुछ अन्य बंगाली नेता भी पाकिस्तान के निशाने पर था। उनके दमन के लिए और बगावत की आवाज को हमेशा से दबाने के मकसद से शेख मुजीबुर रहमान और अन्य बंगाली नेताओं पर अलगाववादी आंदोलन के लिए मुकदमा चलाया गया। लेकिन पाकिस्तान की यह चाल खुद उस पर भारी पड़ गई। मुजीबुर रहमान इससे पूर्वी पाकिस्तान के लोगों की नजर में हीरो बन गए। इससे पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया और मुजीबुर रहमान के खिलाफ षडयंत्र के केस को वापस ले लिया। बांग्लादेश के अस्तित्व के लिए पाकिस्तान में 1970 का चुनाव काफी अहम साबित हुआ। इस चुनाव में मुजीबुर रहमान की पार्टी अवामी लीग ने जबर्दस्त जीत हासिल की। पूर्वी पाकिस्तान की 169 से 167 सीट मुजीब की पार्टी को मिली। इस तरह 313 सीटों वाली पाकिस्तानी संसद में मुजीब के पास सरकार बनाने के लिए जबर्दस्त बहुमत था। लेकिन पाकिस्तान को नियंत्रित कर रहे पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं और सैन्य लीडरों को यह मंजूर नही था कि पूर्वी पाकिस्तानी या बंगाली पाकिस्तान पर शासन करें। मुजीब के साथ इस धोखे से पूर्वी पाकिस्तान में बगावत की आग स्वाभाविक थी। पूर्वी बंगाल लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने लगे। लेकिन पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान ने पूर्वी पाकिस्तान में सेना का सहारा लेकर दमन शुरू कर दिया। पाकिस्तान के चुनावों में धोखा खाने के बाद पूर्वी पाकिस्तान में आजादी का आंदोलन दिन ब दिन तेज होता जा रहा था। पाकिस्तान की सेना ने आंदोलन को दबाने के लिए अत्याचार का सहारा लिया। मार्च 1971 में पाकिस्तानी सेना ने क्रूरतापूर्वक अभियान शुरू किया। पूर्वी बंगाल में बड़े पैमाने पर अत्याचार किए गए। हत्या और बलात्कार की पराकाष्ठा हो गई।

बाल सभा और बाल संरक्षण समितियों में बच्चों की आवाज और सुझावों को सुनें जन प्रतिनिधि

❖ महिला एवं बाल विकास, यूनिसेफ द्वारा पूरे राज्य की जिला बाल संरक्षण इकाइयों के सदस्यों के लिए बाल सहभागिता पर हुआ प्रशिक्षण और बनाई गई कार्य योजना।

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु जिला बाल संरक्षण इकाइयों का प्रशिक्षण लखनऊ में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनिसेफ द्वारा सहभागी शिक्षण केंद्र के सहयोग से लखनऊ में चार बैच में आयोजित किया गया जिसका समापन मंगलवार को हुआ। प्रशिक्षण में सभी 75 जनपदों के जिला बाल संरक्षण इकाइयों के 140 सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य, जिला एवं ग्राम स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में बच्चों की भागीदारी के महत्व पर वैचारिक स्पष्टता विकसित करना था। यूनिसेफ के बाल संरक्षण विशेषज्ञ श्री मंसूर उमर कादरी ने कहा, ÷जिला बाल संरक्षण इकाइयां बच्चों के संरक्षण के लिए तो कार्य करती ही हैं किन्तु उन्हें बच्चों के साथ मिल कर भी कार्य करना चाहिए। उन्होंने मिशन वात्सल्य योजना के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की और कहा, ÷जिला एवं ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण कमिटी में बच्चों की सहभागिता होनी चाहिए और उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही बाल संरक्षण गृहों में रह रहे बच्चों की भी बाल समिति होनी चाहिए जो अपने मुद्दों और सुझावों को सामने रख सके। यूनिसेफ की संचार विशेषज्ञ सुश्री निपुण गुप्ता ने कहा, ÷संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि में बच्चों की भागीदारी पर जोर दिया गया है। किन्तु बच्चों की सहभागिता केवल नाम के लिए ही नहीं होनी चाहिए। उन्हें घर, समुदाय, स्कूल, पंचायत आदि में अपनी बात रखने, सुने जाने एवं निर्णय लेने के अवसर भी दिए जाने चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण में भी ''बाल हितैषी गाँव' स्थापित करने का प्रावधान जिसकी परिकल्पना यह सुनिश्चित करना है की बच्चे पूर्ण रूप से विकसित होने तक अपने अस्तित्व, विकास, भागीदारी और सुरक्षा के अधिकारों को पाने में सक्षम बनें। इसी के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में बाल सभा के गठन की भी बात कही गई है जिसमें जिला बाल सरक्षण इकाइयों की भूमिका अहम है। बाल सभा के विषय में बताते हुए, यूनिसेफ की सोशल पॉलिसी विशेषज्ञ सुश्री पीयूष एंटनी एवं कन्सल्टेंट प्रशंसा ने कहा, ÷बाल सभा में 11-18 वर्ष के सदस्य होते हैं जिनमें एक अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष होता है एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, खेल, सुरक्षा, खाद्य एवं सुरक्षा मंत्री व उपमंत्री होते हैं।बाल सभा की बैठक वर्ष में 4 बार आयोजित की जाती हैं। प्रशिक्षण में सहभागी शिक्षण केंद्र के संस्थापक श्री अशोक ने कहा, ÷बाल सभा एक ऐसा अवसर है जहां बच्चे अपने अधिकारों का उपयोग कर सामाजिक विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं, साथ ही प्रजातान्त्रिक, नैतिक एवं नागरिक मूल्यों को सीखते हैं। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा निर्णय लेने की प्रक्रिया में बच्चों की भागीदारी के महत्व के विषय में बताया गया एवं बाल सभा एवं ग्राम पंचायत के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु बाल संरक्षण इकाइयों को प्रशिक्षित किया गया एवं कार्य योजना बनाई गई। सहभागी शिक्षण केंद्र के मनीष ने सतत विकास लक्ष्यों एवं उनके स्थानीयकरण के विषय में बताया। उन्होंने कहा, ÷बाल सभा बाल हितैषी गाँव के निर्माण में योगदान के साथ ही बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास कर उन्हें समाज एवं राष्ट्र हित में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे। प्रशिक्षण में यूनिसेफ कनसलटेंट श्री जावेद अंसारी एवं सहभागी शिक्षण केंद्र से सुश्री मृदुलीका शर्मा ने प्रशिक्षण के दौरान गतिविधियां आयोजित करने में सहयोग किया और महिला एवं बाल कल्याण की विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया।

जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्रों को मिले लाभ - कृष्ण मुरारी गुप्ता

आवाज प्लस डेस्क

घोरावल सोनभद्र । विधानसभा में ब्लॉक करमा के गौरही ग्राम पंचायत व बन्तरा ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया, इसमें सरकार के द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में चर्चा करते हुए विभिन्न विभागों के लगाये गए स्टाल के माध्यम से जो लोग कल्याणकारी योजनाओं से अभी तक वंचित हैं ऐसे पात्र लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया,इस अवसर पर एलएडी वैन के माध्यम से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के विचारों को सुना गया और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया, कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं का गोद भराई व बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रमाण पत्र व किसान सम्मान प्रशस्ति पत्र दिया गया, इस अवसर पर नगर पालिका परिषद सोनभद्र के पूर्व अध्यक्ष व भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता ने कहा कि सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सिद्धान्तों पर लगातार गाँव गरीब किसान मजदूर के विकास के लिए कार्य कर रही,भारत का प्रत्येक व्यक्ति विकसित हो जिससे हमारा देश 2047 तक विकसित राष्ट्र के संकल्प को पूरा करें कार्यक्रम में मद्धुपुर मण्डल उपाध्यक्ष शिवदास वर्मा ,उमाशंकर सिंह ,श्यामलाल गुप्ता , संजय पटेल प्रेमशंकर सिंह त्रिभुवन ग्राम प्रधान मंजू देवी मौर्या ,ग्राम प्रधान नीलम देवी जिला पंचायत सदस्य उषा देवी जी कौशल मौर्य विजय मौर्य नंदलाल पूर्व बीडीसी सदस्य प्रशासनिक स्तर पर नोडल अधिकारी सुरेंद्र यादव गंतव्य मौर्य ग्राम विकास अधिकारी अश्वनी श्रीवास्तव पशुपालन विभाग से डॉक्टर ए एन सिंह आदि अन्य लोग मौजूद थे।

एक नज़र

नवनिर्मित अधिवक्ता/वादकारी विश्रामालय का लोकार्पण

संवाददाता

सोनभद्र। बुधवार को कचहरी परिसर में नवनिर्मित अधिवक्ता/वादकारी विश्रामालय का लोकार्पण . जनपद न्यायाधीश व जिलाधिकारी की उपस्थिति में सोनभद्र बार अध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक की अध्यक्षता, व उपाध्यक्ष अनिल द्विवेदी(गिरजाशंकर)एड. तथा महामंत्री आनंद मिश्रा एड. के संचालन में किया गया लोकार्पण के उपरांत मा. जनपद न्यायाधीश महोदय के विदाई सभा का आयोजन किया गया, वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा जनपद न्यायाधीश को अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह देकर किया गया जिसमें सदर विधायक .भूपेश चौबे ,नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद , सम्पूर्ण कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अनिल द्विवेदी(गिरजाशंकर),संजय पाण्डेय, दीपक केशरी,प्रदीप पाण्डेय, मनोज मिश्रा, गीता गौर रामचंद्र मिश्रा, कृपा नारायण मिश्रा, गीता गौर,बी. सिंह, अरुण प्रताप सिंह, मानिंद त्रिपाठी, पवन शर्मा, मनोज मिश्र, गोविंद मिश्रा, त्रिपुरारि मिश्रा, आदि उपस्थित रहें।

कमिश्नर गौरव दयाल की अध्यक्षता में बैठक 20 को

अयोध्या। मण्डलायुक्त श्री गौरव दयाल की अध्यक्षता में दिनांक 20 दिसम्बर 2023 को अपराह्न 4 बजे से आयुक्त सभागार में बैठक आहूत की गयी है। बैठक में विजन डॉक्यूमेंट में प्रस्तावित अपने विभाग से सम्बंधित परियोजनाओं की प्रगति की अद्यतन स्थिति एवं परियोजना से सम्बंधित समस्त सूचनाओं के साथ साथ गत बैठक के कार्यवृत्त की अनुपालन आख्या सहित बैठक में प्रतिभाग करें। उक्त जानकारी मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव ने दी है।

किसान दिवस का आयोजन 20 को

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को दिनांक 20 दिसम्बर 2023 को अपरान्ह 2 बे से नवीन कलेक्टेऊट सभागार में आयोजित की जायेगी। बैठक में संबंधित अधिकारी समय से प्रतिभाग करें। उक्त जानकारी उप कृषि निदेशक अयोध्या ने दी है।

बिजली उपकेंद्र में मीट और शराब की पार्टी

गोरखपुर। बिजली निगम के बिजली उपकेंद्र में कैश काउंटर पर तैनात बाबू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। 40 सेकंड के एक वीडियो में साफ दिख रहा है कि उपकेंद्र के अंदर ही मीट, लिट्टी बनाई गई। वहीं, शराब की पार्टी चल रही है। एक बिजली कर्मी नशे की हालत में जमीन पर लेटा हुआ है। यह वीडियो चौराचौरा उपकेंद्र का बताया जा रहा है। मुख्य अभियंता ने मामले की जांच कराने की बात कही है। वायरल वीडियो में एक कर्मचारी नशे की हालत में जमीन पर लेटा दिख रहा है। दूसरा सहयोगी उसका वीडियो बना रहा है। दोनों नशे में थे और बताया जा रहा है कि वीडियो बनाकर उसने अपने दूसरे साथी को भेज दी। इसी के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। चर्चा यह भी है कि उपकेंद्र में आए दिन पार्टी होती है। वायरल वीडियो के बारे में चर्चा है कि ओटीएस योजना में गलत बिजली बिल को ठीक कर मोटा लाभ लिया गया था। इस लाभ का जश्न सभी ने पार्टी कर मनाने का फैसला किया। दावा है कि पार्टी में बिजली निगम के अधिकारी और कर्मचारी और बिचौलिया भी थे। हालांकि, वीडियो में वे नहीं दिख रहे हैं। कैश काउंटर को संचालित करने वाले एक लिपिक की मनमर्जी के हिसाब से ही उपकेंद्र का कैश काउंटर भी खुलता है। इसकी मनमर्जी पर अधिशासी अभियंता, एसडीओ और अवर अभियंता की भी नजर नहीं जाती है। सोमवार के दिन ओटीएस के पंजीकरण के बीच भी सुबह 10-20 बजे तक कैश काउंटर बंद था। मुख्य अभियंता आशु कालिया ने कहा कि सुबह काउंटर खुला नहीं, ये गलत है। अगर ऐसा किए हैं कि तो सेवा नियमावली में ऐसा आचरण गलत है। इसकी जांच करवा कर कार्रवाई की जाएगी। नशे में कार्यालय के भीतर ऐसा करना, ये गलत है। जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित पर सख्त कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

पांच बच्चों की मां प्रेमी संग हुई थी फरार, वापस आने पर ग्रामीणों ने खूंटे में बांध कर पीटा

महराजगंज। महराजगंज जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां फरेंदा थाना क्षेत्र में प्रेमी-प्रेमिका का साथ चले जाना बहुत महंगा पड़ गया। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और खूंटे में रस्सी से बांधकर मारने लगे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में फरेंदा पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध मारपीट का केस दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। दरअसल, प्रेमी युगल को कैम्पियरगंज मोदीगंज रोड के किनारे स्थित एक स्कूल के सामने खंबे में बांधा गया, बताया जा रहा है ठंड में दोनों ठिठुर कर बैठे हुए हैं और आसपास मौजूद लोग उनको रुक-रुक कर पीट रहे हैं। महिला के पति की मौत हो चुकी है, वह अपने पांच बच्चों के साथ रहती थी। गांव के ही एक युवक के संपर्क में आने के बाद चार बच्चों को छोड़ एक बच्चे को और प्रेमी के साथ कुछ दिन के लिए कहीं चली गई। जब वापस लौटी तो ग्रामीण और पट्टीदारों दोनों को ठिठुरते ठंड में खूंटे में रस्सी के सहारे बांधकर पीटने लगे। चालीस सेकंड का वायरल वीडियो देखने के बाद पुलिस ने संज्ञान लिया और युवक की तहरीर पर तीन लोगों के विरुद्ध मारपीट का केस दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। इस मामले में फरेंदा थाना प्रभारी अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि महिला गांव के ही एक करीबी के साथ कहीं से लौटी है, जिसके बाद महिला और उसके साथ रह रहा व्यक्ति के साथ मारपीट की सूचना मिली।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के 50 वर्ष हुए

व्यापारियों की समस्याओं पर खड़ा है व्यापार मंडलः राजेश बंसल

आवाज प्लस डेस्क

गोरखपुर। गोलघर को सजाने व संवारने की पहल करते हुए नगर निगम प्रशासन ने मंगलवार को व्यापारियों के साथ एक बैठक आयोजित की, जिसमें शहर के 26 व्यापारी संगठनों ने इसमें भाग लिया। मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि गोलघर से अतिक्रमण हटाकर इसे कनॉट प्लेस की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने व्यापारियों से सहयोग मांगा। मेयर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शाम चार बजे से छह बजे तक चली बैठक में पार्किंग का मुद्दा व्यापारियों ने उठाया। मेयर ने बताया कि नगर निगम अपने खाली मैदान में पार्किंग के लिए अगले दो से तीन दिनों में टेंडर फइनल कर देगा। व्यापारियों ने कुछ प्रमुख बाजारों और मार्गो से अतिक्रमण हटाने की मांग की। कहा कि तय हुआ था कि गोलघर की दुकानों के सामने संबंधित व्यापारी एक लेन में दो पहिया वाहन खड़े कर सकेंगे। मगर, दुकानदारों के वाहनों का भी चालान कर दिया जा रहा है। मेयर ने इसके लिए यातायात विभाग के जिम्मेदारों से बात करने का भरोसा दिया। बुधवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल सोनभद्र द्वारा पत्रकार वार्ता का आयोजन शिव शक्ति स्टील सिविल लाइन रोड अजीत जयसवाल जी के प्रतिष्ठान पर किया गया। पत्रकार वार्ता में जिला महामंत्री राजेश बंसल ने बताया कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर संगठन इसे स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप मैं मना रही है जिसका समापन अधिवेशन उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से किया जाएगा। रजत जयंती वर्ष में व्यापार मंडल ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें व्यापार मंडल व्यापारीयो के प्रतिष्ठान, टोल फ्री मिस्ड कॉल अभियान, व पूरे उत्तर प्रदेश में व्यापारिक स्वाभिमान यात्रा निकाली जा चुकी है। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह चन्देल ने बताया उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की स्थापना पूर्व सांसद श्रद्धा श्याम बिहारी मिश्रा जी वृद्धि लाल विशंभर दयाल अग्रवाल जी ने मां गंगा के पावन तट के किनारे वाराणसी में आज से किया था वर्ष 2023 में अपने 50 वर्ष पूरे होने पर संगठन विविध कार्यक्रमों को करते हुए इसको स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रही है। युवा जिला अध्यक्ष रमेश जायसवाल ने बताया विभिन्न सत्रों के माध्यम से व्यापारियों को बदलते बाजार और संशोधनों के प्रति जागरूक किया जाएगा वह ऑनलाइन बाजार की चुनौतियों पर भी विषय रखा जाएगा इससे व्यापारियों को बताया जाएगा कि संसाधनों का उपयोग करके अपने बाजार को इससे बड़ा बनना होगा या सब कैसे हो इस पर भी चर्चाएं होंगी। पत्रकार वार्ता में जिला कोषाध्यक्ष अजीत जायसवाल नगर अध्यक्ष आनंद प्रताप युवा जिला उपाध्यक्ष आनंद गुप्ता नगर संगठन मंत्री अभिषेक केशरी मौजूद रहे।

उत्तर-पूर्वी अन्तर-विश्वविद्यालय योगासन प्रतियोगिता

भाग लेने के लिये टीम भुवनेश्वर रवाना

आवाज प्लस डेस्क

कुमारगंज अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की योगासन टीम उत्तर-पूर्वी अन्तर-विश्वविद्यालय योगासन प्रतियोगिता मे भाग लेने के लिये कलिंगा इन्स्चीट्यूट आफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलोजी, भुवनेश्वर, उड़ीसा के लिये रवाना हुई। इस टीम में कुल 6 पुरुष खिलाड़ी तथा 6 महिला खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं जिनके नाम क्रमशः शुभम पांडेय, विष्णु पांडेय, प्रियांश बालियान, सन्तोष कुमार, शुभम पाल, राम प्रताप सिंह, नेहा, वंशिका अग्रहरि, किंजल सिंह, शिवानी पांडेय, अनुश्री दोहरे एवं आंचल वर्मा हैं। टीम का नेतृत्व डॉ. देव नारायण (टीम मैनेजर), डॉ. दिवाकर सिंह (पुरुष कोच) एवं डॉ. ज़ेबा जमाल (महिला कोच) कर रहे हैं। यह प्रतियोगिता 21 से 23 दिसम्बर के मध्य आयोजित होगी जिसमें उत्तर एवं पूर्वी भारत के लगभग 90 से ज्यादा विश्वविद्यालय भाग लेंगे। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. डी. के. द्विवेदी, अधिष्ठाता कृषी डॉ. प्रतिभा सिंह, अधिष्ठाता उद्यान एवं वानिकी व खेल प्रभारी डॉ. संजय पाठक, अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान डॉ. साधना सिंह, अधिष्ठाता मत्यसिकि व शोध निदेशक डॉ. ए. के. गंगवार, अपर निदेशक प्रसार डॉ. आर. आर. सिंह, अधिशाषी अभियंता श्री ओम प्रकाश एवं विश्वविद्यालय के अन्य गण मान्य शिक्षक तथा कर्मचारीगणों ने शुभकामना सहित खिलाड़ियों को हरी झण्डी दिखाते हुए रवाना किया।

छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए निशुल्क स्मार्टफोन

पीएम सीएम के नेतृत्व में जुड़ रहा युवा डिजिटल से : अजीत रावत

स्मार्टफोन वितरण

चौधरी महादेव सिंह महाविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

आवाज प्लस डेस्क

रामगढ़, सोनभद्र। चतरा ब्लॉक अंतर्गत चौधरी महादेव सिंह महाविद्यालय चतरा में निशुल्क स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वही सभा को संबोधित करते हुए सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा छात्राओं को डिजिटल प्रणाली से जोड़ने व शिक्षा जगत को मजबूत करने को लेकर विकसित भारत के तरफ चल रहा हमारा देश युवाओं के पठन-पाठन में किसी प्रकार से कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो गरीब हो या अमीर शिक्षा मिले सामान जिसके तहत मुख्यमंत्री निशुल्क स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम हर जिले में आयोजित किया जा रहा है जिसमें सभी छात्राओं को स्मार्टफोन टैबलेट लैपटॉप जैसे उपकरण दिए जा रहे हैं शिक्षा जगत में उनके शिक्षित समाज की देश को आवश्यकता है शिक्षित समाज होगा तो विकसित देश होगा यह एक भाजपा सरकार का लक्ष्य जो युवाओं को शिक्षित बनाने के उद्देश्य से चल रही सरकार । वही डॉ जितेंद्र बहादुर सिंह महाविद्यालय प्रबंधन व प्रिया सिंह प्रधानाचार्य द्वारा वहां आए अतिथियों को पुष्प कुछ अंग वस्त्र देकर अभिवादन किया छात्राओं के जीवन उज्जवल की दिया शुभकामनाएं इस मौके पर आनंद पटेल ग्राम प्रधान ,राजाराम विश्वकर्मा प्रधान, ओमप्रकाश सिंह, नंदू ,हृदय नंदन पटेल, मंडल महामंत्री घमंडी पांडे सहित छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रा.विद्यालय कलकली बहरा प्रथम में निपुण बाल मेले का हुआ आयोजन

आवाज प्लस डेस्क

दुद्धी सोनभद्र। प्राथमिक विद्यालय कलकलीबहरा प्रथम दुद्धी में खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में ÷निपुण बाल मेले÷का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि त्रिपुरारी बरनवाल शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया दुद्धी ने बच्चों और अभिभावकों को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि बच्चों को सदैव सीखने के लिए तत्पर रहना चाहिए तथा अपने परिश्रम और लगन से ही अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्राज्ज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात बच्चों द्वारा ओजपूर्ण प्रेरणासभा का प्रस्तुती किया। कार्यक्रम में आए समस्त अतिथियों एवं अभिभावकों के अभिनंदन में भारतनाट्य परिधान में बच्चों ने स्वागत नृत्य तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाने तथा अभिभावक आत्मीयता स्थापित करने के लिए आयोजित निपुण बाल मेले का शुभारंभ विद्यालय में बच्चों द्वारा बनाए और सजाये गये शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) तथा विभिन्न नवाचारी अभिनव प्रयोगों के अवलोकन, निरीक्षण व उत्साहवर्धन करते हुए किया गया। विशिष्ट अतिथि एआरपी श्रवण कुमार, ग्राम प्रधान सुरेश चंद, व्यापार मंडल अध्यक्ष अमरनाथ जयसवाल, संकुल शिक्षक मुसईराम, समाजसेवी बालकृष्ण जायसवाल, भानु प्रताप, सरिता देवी, पप्पू , अनिल समेत समस्त अभिभावक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका वर्षा रानी जायसवाल के द्वारा किया गया। उत्साह पूर्वक संलग्न सहायक अध्यापिका सरिता , अविनाश कुमार गुप्ता व शिक्षामित्र लक्ष्मी पुरी समेत जनेवा देवी, जगती देवी , अनारो देवी, रंजन कुमार व मुस्कान सम्मिलित रहें।

7अप ने भारत में सुपर-डुपर रिफ्रेशमेंट के नए ब्रैंड एंबेसडर के तौर पर रनबीर कपूर को साथ जोड़ा

❖ ब्रैंड का लोगों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए ब्रैंड एंबेसडर के तौर 7अप के साथ जुड़े रनबीर कपूर

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। अपनी रिफ्रेशिंग और धमाकेदार खूबियों के लिए मशहूर बेवरेज ब्रैंड 7अप ने ब्रैंड के नए चेहरे के तौर पर बॉलीवुड मेगास्टार रनबीर कपूर को अपने साथ जोड़ा है। यह तय है कि इस नए गठजोड़ से 7अप की ताज़गी से भरपूर भावनाएं लोगों के सामने आएंगी - यह बिल्कुल सटीक गठबंधन है जिसकी शुरुआत 2024 की गर्मियों से होने वाली है। 7अप के साथ मिलकर रनबीर कपूर भारत में ब्रैंड की नई सुपर डुपर रिफ्रेशर इमेज को और भी बेहतर बनाना है। रनबीर कपूर का 7अप के साथ जुड़ाव, एक नई ताज़गी भरी कहानी गढ़ने की दिशा में ब्रैंड द्वारा उठाया गया एक अन्य कदम है जो देशभर के लोगों की भावनाओं को दर्शाता है। इस गठजोड़ का उद्देश्य ब्रैंड के प्रति लोगों के प्रेम और जुड़ाव को और भी गहराई देना और भारत में 7अप के साथ सुपर-डुपर रिफ्रेशिंग गर्मियों के लिए मंच तैयार करना है। शैलजा जोशी, कैटेगरी लीड, कोला एंड फ्लेवर्स, पेप्सिको इंडिया ने कहा कि 7अप लंबे समय से भारत में ताज़गी का मुख्य स्रोत रहा है और अपनी मज़ेदार कहानियों और अनोखे टीवीसी के साथ ग्राहकों को लुभाता रहा है। इस वर्ष की शुरुआत में ब्रैंड ने सुपर-डुपर रिफ्रेशर के तौर पर एक इमेज के साथ शुरुआत की थी जो देशभर के ग्राहकों की भावनाओं से मेल खाती है, उन्हें सामने आने का मौका देती है और ताज़गी से भरपूर अनुभवों के लिए नए मानक स्थापित करती है। चूंकि यह शानदार वर्ष अब खत्म होने की तरफ बढ़ रहा है, हमें 7अप परिवार के नए सदस्य के तौर पर रनबीर कपूर को जोड़ते हुए बेहद खुशी हो रही है। उनका आकर्षक व्यक्तित्व और उनकी व्यापक अपील, 7अप के सिद्धांतों से मेल खाते हैं और हम आगामी गर्मियों के मौसम में साथ मिलकर ऑन-स्क्रीन जादू बिखेरने के लिए अब और इंतज़ार नहीं कर सकते हैं। इस नए गठजोड़ को लेकर अपना उत्साह साझा करते हुए बॉलीवुड मेगास्टार रनबीर कपूर ने कहा कि 7अप परिवार का सदस्य का हिस्सा बनने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। निश्चित तौर पर ब्रैंड के तौर पर 7अप की अपनी वाइब है और खास तौर पर सुपर-डुपर रिफ्रेशर की इमेज के साथ मैं व्यक्तिगत तौर पर जुड़ाव महसूस करता हूं। ऐसे उत्साहजनक गठजोड़ के साथ नए साल की शुरुआत करना बहुत ही शानदार है और मैं खुद को इस बिल्कुल नए अवतार में अपने प्रशंसकों के सामने पेश करने को लेकर अब और इंतज़ार नहीं कर सकता।

सभी वर्गों के हित के लिए सक्रिय हैं भाजपाः दिनेश रावत

आवाज प्लस डेस्क

सिद्धौर बाराबंकी। मंगलवार को सिद्धौर क्षेत्र की कोठी, भोनई रुद्र, अचका मऊ, छतौरा ग्राम पंचायतों मे मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाते हुए सरकार की विभिन्न योजनाओं का बखान किया। मंगलवार को सिद्धौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोठी में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन प्रधान शिवनंदनी द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता सुशील कुमार जैसवाल की उपस्थिति के तत्पश्चात ग्राम प्रधान शिवनंदनी, पूर्व प्रमुख रमेश चंद्र, सचिव सुषमा अवस्थी, रवि अवस्थी,सचिन अवस्थी, दीपक वर्मा लेखपाल गुंजन सिंह ,द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करते हुए प्रधान शिवनंदनी द्वारा मुख्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया वहीं पर ब्लॉक प्रमुख आरती रावत व एच एल बी पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में प्राथमिक विद्यालय पुरे रूद्र में कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान मोहम्मद हकीम, प्रतिनिधि मोहम्मद कदीर ग्राम विकास अधिकारी उत्तम पटेल, सहित अध्यापकों द्वारा मुख्य अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए मुंह मीठा करवाया ब्लॉक प्रमुख आरती रावत ने बताया भारत तभी विकसित होगा जब हमारे देश का युवा इसमें बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएंगे तभी विकसित देश बनेगा विभिन्न लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की कविताएं सुनाई जिस पर लोगों ने जमकर तालियां बजाई विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ में एलसीडी के माध्यम से सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई वहीं पर बाल विकास पुष्टाहार, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पूर्ति विभाग, पंजाब नेशनल बैंक के कर्मचारीयों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को जागरूक किया गया।

भाजपा सरकार ने अवाम के अरमानों का गला घोंटने का काम किया है: पी एल पुलिया

आवाज प्लस डेस्क

रामनगर बाराबंकी। देश की मोदी सरकार ने नौजवान, किसान, आवाम के अरमानों का गला घोटने का काम किया है। शिपिंग कॉरपोरेशन आफ इंडिया, स्कूटर इंडिया लिमिटेड, कंटेनर कॉरपोरेशन आफ इंडिया, सीमेंट कॉरपोरेशन आफ इंडिया, भारत अर्थ मूवर्स, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, रेलवे, भारतीय जीवन निगम के शेयर सहित देश के तमाम संस्थाओं के बेचने के बाद भी जब उनके दोस्तों की तिजोरी नहीं भरी तो एयर इंडिया को बेच दिया और आखिर में मोदी जी ने देश की आन बान और शान आजादी का प्रतीक लाल किला को भी बेचकर इन्होंने सत्ता में बने रहने का हक खो दिया है। मैं आज विधानसभा रामनगर के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में यह बताने आया हूं कि लोकसभा क्षेत्र 53 बाराबंकी की आवाम को हमारे ऊर्जावान बूथ अध्यक्षों को समझाना है कि अगर देश को बिकने से बचाना है देश में लोकतंत्र जिंदा रहे तो 2024 के आम चुनाव में भाजपा को हराना होगा और कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के साथ एकजुट होकर उसे भारी बहुमत से जिताना होगा। उक्त उद्गार पूर्व सांसद डॉक्टर पीएल पुनिया ने आज रामनगर चौराहे पर स्थित देव लॉन में आयोजित रामनगर विधानसभा के बूथ, न्याय पंचायत अध्यक्षों के सम्मेलन में व्यक्त किया। जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन तथा संचालन कांग्रेस कमेटी के महासचिव नेकचंद त्रिपाठी ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव तनुज पुनिया तथा जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा विशेष रूप से मौजूद थे। उक्त सम्मेलन में श्री सचिन त्रिपाठी को नगर पंचायत रामनगर का कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत किया गया एवं धमेड़ी 2 वार्ड के सभासद राजेश शुक्ला ने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। स्वागत अभिनंदन के पश्चात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं आगामी लोकसभा चुनाव में बाराबंकी लोकसभा के संभावित प्रत्याशी तनुज पुनिया ने बूथ अध्यक्षों से अपने-अपने बूथों पर मजबूत संगठन बनाने की पुरजोर अपील करते हुए कहा कि आज हमारे बूथ अध्यक्षों को भाजपा की और उनके नेताओं की हकीकत बताने की जरूरत है। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर है, हत्या, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, फिरौती, दहेज हत्या, महिला उत्पीड़न, किसान आत्महत्या के अपराधों से पूरा प्रदेश कराह रहा है और प्रदेश की योगी सरकार में अपराधियों पर कार्यवाही दलीय निष्ठा के आधार पर की जा रही है यदि अपराधी भाजपा से संबंधित है तो उसके 100 गुनाह माफ है। आज देश की भाजपा सरकार किसान, महंगाई, छुट्टा जानवर, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, महिला उत्पीड़न तथा प्रदेश में फैली अराजकता के मुद्दे पर चुनाव नहीं लड़ रही है बल्कि संवैधानिक पदों पर बैठे माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी सिर्फ सांप्रदायिक बातें कर रहे हैं क्योंकि 10 साल की भाजपा सरकार ने देश के लिए कुछ नहीं किया है इनकी कोई उपलब्धि बताने लायक नहीं है आने वाले लोकसभा के चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को करारी हार देने जा रही है और देश में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनेगी यह हकीकत अवाम को बताने की है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन ने कहा कि आज भाजपा द्वारा पूरे देश में नफरत और हिंसा का वातावरण बनाया जा रहा है यह चिंता का विषय है भारत देश के विचार हमेशा प्रेम करना अहिंसा और विश्वबंधुत्व के रहे हैं लेकिन भाजपा द्वारा जो एक साजिश के तहत घृणा और नफरत का माहौल बनाकर समुदायों के बीच दूरी पैदा की जा रही है उससे हमें होशियार रहना है। आज भाजपा की सरकार आजादी के मूल्यों का गला घोट रही है और देश का इतिहास सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है यह देश मजबूत बने इसमें भाईचारा कायम रहे इसके लिए भाजपा सरकार का देश से जाना बहुत ही जरूरी है इसके लिए हमें चाहे जो कुर्बानी देनी पड़े हमें देनी होगी। रामनगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में मुख्य रूप से पूर्व सांसद पी.एल.पुनिया, प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनुज पुनिया, कांग्रेस अध्यक्ष मो. मोहसिन, सद्दाम हुसैन ब्लॉक अध्यक्ष महादेवा पूर्व प्रमुख देवां जीमल अहमद, अमरनाथ मिश्रा, अनूप सिंह, जुल्फी मिया, अजीत वर्मा, सचिन त्रिपाठी, सुरेन्द्र वर्मा, सौरभ पाण्डेय, पठानी, बदरूद्दीन, फरीद अहमद, शिवम त्रिपाठी, अकील उपेंद्र अवस्थी आनंद अवस्थी इदरीसी, सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष मोहम्मद जीशान सोशल मीडिया महासचिव मोहम्मद वैस भूपेंद्र वर्मा, डॉ. शुऐब, हरिदत्त पाण्डेय, दीप नारायण मिश्रा धनंजय सिंह सहित सैकड़ो की संख्या में बूथ अध्यक्ष मौजूद थें।

वीरेंद्र स्वरूप मेमो ट्रस्ट ने सामाजिक प्रतिभावो,शिच्छकों का किया सम्मान एक सौ महिलाओं में बांटे कम्बल

आवाज प्लस डेस्क

सिरौली गौसपुर बाराबंकी। ब्लाक सिरौली गौसपुर के ग्राम मुश्काबाद मेला में वीरेंद्र स्वरूप पांडेय मेमो ट्रस्ट में एक सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर समाज सेवियों, शिक्षकों का अंगवस्त्र तथा माल्यार्पण से स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से कम्बल वितरण का भी आयोजन किया गया।इसमें जरूरत मंद एक सैकड़ा लोगों को मुख्य अतिथि सिरौली गौसपुर विकाश खंड की प्रमुख रेनू वर्मा,रेलवे की डायरेक्टर संगीता पांडे, अनंत पांडे,अतुल पांडे, रीता, मोहिनी, के पी शुक्ला के साथ कम्बल वितरण किया। कम्बल वितरण से पूर्व ट्रस्ट के मुखिया अनंत पांडे ने मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख का स्वागत किया। तदोपरांत ब्लाक प्रमुख रेनू वर्मा ने रिटायर्ड टीचर लाल कुंवर रावत, मास्टर राज बहादुर वर्मा,मास्टर रामपाल यादव, बेचन लाल वर्मा,समाज सेवी हसनैन मुस्तफा हस्सू भैया तथा मुश्कबाद कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यपक संजीव कुमार मिश्रा सहित सभी शिक्षकों को ट्रस्ट की ओर से ब्लाक प्रमुख ने माला एवम शाल भेंट कर स्वागत किया।

एक नज़र

सीओ शाहाबाद हुए रवाना,सीओ हरपालपुर को सौंपा चार्ज

आवाज प्लस डेस्क

हरदोई। सीओ शाहाबाद हेमंत उपाध्याय का तबादला हो गया है। सोमवार को उन्होंने सीओ हरपालपुर विनोद कुमार दुबे को अपना चार्ज सौंप दिया और रवाना हो गए। सीओ हरपालपुर को चार्ज मिलते ही कपड़ा व्यापारी के अपहरण का मामला सामने आ गया। प्रभारी सीओ शाहाबाद श्री दुबे का कहना है कि पूरे मामले पर गहरी नज़र रखी जा रही है। साथ ही अफसर भी वारदात से जुड़े पहलुओं की लगातार अपडेट ले रहें हैं। उधर एसओजी टीम भी क्लू ढूंढ रही है।

जलजीवन मिशन हर घर जल योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

आवाज प्लस डेस्क

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। विकासखंड सभागार में जल जीवन मिशन हर घर जल योजना अंतर्गत ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य ,ग्राम पंचायत सचिव, क्षेत्र पंचायत सदस्य, लेखपाल ,रोजगार सेवक तथा सामाजिक अभिरुचि रखने वाले नागरिक का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्वजन फाउंडेशन लखनऊ द्वारा किया गया। राज्य प्रशिक्षक मान सिंह द्वारा जल जीवन मिशन के उद्देश घटक एवं राजनीति के साथ ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति व जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की भूमिका के विषय में विस्तार से चर्चा किया गया ।प्रशिक्षण के क्रम में जिला समन्वयक वैभव वर्मा द्वारा जल जीवन मिशन की गाइडलाइन के अनुसार पाइप पेयजल योजनाओं का निर्माण एकल एवं बहुल पाइप योजना निष्पादन लागत अंशदान एवं निर्माण में सामुदायिक अंशदान और उसकी गणना आदि के बारे में बताया गया ।प्रशिक्षण के क्रम में स्वजन फाउंडेशन के ओमप्रकाश जल जीवन मिशन के सहभागिता एवं सामुदायिक गतिशीलता समुदाय में अभिप्रेरण का महत्व ,समुदाय के साथ कार्य करने का अनुभव, वित्तीय आयोजन एवं वित्तीय पोषण के साथ अभिलेख आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण किट को वितरित किया गया स्वजन फाउंडेशन के जितेश यादव, अमन वर्मा, प्रतिमा वर्मा, ओम प्रकाश , आदि मौजूद रहे।कार्यक्रम का संयोजन वैभव वर्मा के मार्गदर्शन मे किया गया।इस मौके पर कुशमेश रावत बेनीप्रसाद वर्मा केदारनाथ जयराम मौर्या रामसागर यादव पंकज यादव सहित क्षेत्र के ग्राम प्रधान बी डी सी सदस्य व ग्राम पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

कपड़ा व्यापारी के अपहरण से इलाके में मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

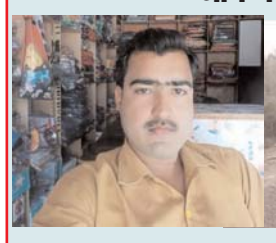

आवाज प्लस डेस्क

हरदोई। दुकान बंद कर के बाइक से घर वापस लौट रहे कपड़ा व्यापारी का रास्ते से अपहरण कर लिया गया। बाइक सवार कारोबारी को गाड़ी की टक्कर मार कर पहले गिराया गया, उसके बाद उसका उसी गाड़ी से अपहरण कर लिया गया। मंगलवार की शाम हुई इस वारदात से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। एसपी केशव चन्द्र गोस्वामी, एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार और सीओ हरपालपुर विनोद कुमार दुबे सीधे मौके पर पहुंचे। कारोबारी का पता लगाने के लिए पुलिस के अलावा एसओजी टीम को लगाया गया है, वहीं पुलिस के अधिकारी पल-पल की अपडेट ले रहें हैं। बताते चलें कि पाली थाने के बारी गांव निवासी श्यामजी मिश्रा पुत्र नन्हेलाल मिश्रा रेडीमेड कपड़ों का व्यापार करता है। मंगलवार शाम को वह अपनी दुकान बंद कर रोज़ की तरह बाइक से वापस घर लौट रहा था। उसी बीच रास्ते में बारी और किलकिली गांव के बीच में कारोबारी श्यामजी मिश्रा की बाइक में किसी गाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गिर पड़ा, इस बीच गाड़ी सवार लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। उधर काफी देर बाद तक जब श्यामजी अपने घर नहीं पहुंचा तो उसके घर वाले परेशान हो गए और उसकी तलाश करने लगे। इसी बीच जहां पर वारदात हुई वहां श्यामजी की बाइक पड़ी हुई थी,पास में एक जूता और चश्मा भी पड़ा हुआ था। मामले की जानकारी मिलते ही एसएचओ पाली अरविंद कुमार राय अपनी टीम के साथ मौके पहुंचे। साथ ही एसपी केशव चन्द्र गोस्वामी, एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार और सीओ हरपालपुर विनोद कुमार दुबे भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी। एसपी श्री गोस्वामी के निर्देश पर खुलासे के लिए एसओजी टीम को लगाया गया है, वहीं पाली पुलिस भी मामले जांच कर रही है। उधर कपड़ा व्यापारी श्यामजी के घर वाले किसी अनहोनी को ले कर काफी डरे हुए हैं। एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार ने बताया है कि पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। जल्द ही खुलासा कर लिया जाएगा।

हापुड के कांग्रेसजनों ने मां शाकुंभरी देवी के दर्शन कर सहारनपुर यात्रा में हुए शामिल

आवाज प्लस डेस्क

हापुड़। कांग्रेस जनों ने सहारनपुर की धरा पर माँ शाकम्भरी देवी का दर्शन-पूजन कर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में शुरू हुई यूपी जोड़ो यात्रा प्यार का सन्देश लेकर चलने वाली यात्रा में शामिल हुए इस यात्रा के शुभारंभ के दौरान सीएलपी लीडर आराधना मिश्रा मोना समेत कई राष्ट्रीय नेतागण की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।? सभी ने एक स्वर में माँ शाकम्भरी से इस यात्रा की ऐतिहासिक सफलता और उद्देश्य के पूर्ति की कामना की। ऐतिहासिक यात्रा में हापुड़ से शहर अध्यक्ष अभिषेक गोयल, पी सी सी अरविंद शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर जकरिया मनस्वी, विक्की शर्मा भरत लाल शर्मा जोगिंदर तोमर राकेश त्यागी, जितेंद्र अग्रवाल अंकुर अग्रवाल आदि कांग्रेसजन सहारनपुर में मां शाकुंभरी देवी के दर्शन कर यात्रा में शामिल हुए।

हर टेंशन की एक ही दवा अदरक वाली चाय:अशोक गोयल राष्ट्रीय कवि

काव्य संध्या

हमारा प्यारा हिंदुस्तान साहित्य संस्थान के तत्वाधान में विराट काव्य संध्या आयोजित

आवाज प्लस डेस्क

पिलखुवा। हमारा प्यारा हिंदुस्तान साहित्य संस्था द्वारा ऑनलाइन विराट कवि सम्मेलन चलो ठंड है चाय पिलाते है का आयोजन हुआ जिसमें लगभग साढ़े तीन घंटे तक बहुत ही भव्य रूप से कार्यक्रम चला और संचालन प्रिय दर्शनी राज रिंकु दुबे वैष्णवी धनबाद अध्यक्ष व कवि ओमप्रकाश द्विवेदी ओम मुख्य अतिथि कवित्री ऋतु गर्ग दिल्ली गुड़ी फरीदाबाद विशिष्ठ अतिथि वरिष्ट साहित्यकार अशोक गोयल,वरिष्ठ कवयित्री बीना गोयल रहे। वरिष्ट कवित्री अर्चना जैन नोएडा कवि सुभाष कुशवाहा रोहतक सरस्वती वंदन स्वागत गीत एकता गुप्ता काव्या उन्नाव ने अपने चिर परिचित अंदाज से सुनाया । आमंत्रित कवि अविनाश खरे पुणे,संध्या जैन जी भिलाई, जयश्री जोशी दुबई, अलका जैन आनंदी मुंबई , चंद्रा साहू जी मिताली वर्मा भिलाई, शिखा तेजस्वी ध्वनि दिल्ली ,मो हुसैन भिलाई, पश्चिम बंगाल से कुमार मनोज,मोहिता गौतम कृपा गौतम सतना नावेद रजा प्रियदर्शनी राज, प्रियंका भूतड़ा , मीता लुनिवाल, चंद्रा साहू , कवि ओमकार मृदुल छत्तीसद्यगढ़ कवि श्री वीरेंद्र हाथ रस, कवि अनन्त राम चौबे,है सरताज कवि त्रिलोक चंद फतेहपुरी, विशेषआमंत्रण वरिष्ठ साहित्यकार सुदेश भाटिया जी दिल्ली ,रमेश जैन राही जी डोंगड़ गांव,शिखा त्रिपाठी गोरखपुर,छगन लाल मुथा मुंबई लगभग 42 कवियों द्वारा मंच को वीर हास्य श्रृंगार रस से ओत प्रोत कर चाय पर एक से एक प्रस्तुति दी। अंत में धन्यवाद ज्ञापन मंच के संस्थापक निर्दोष जैन लक्ष्य द्वारा अपनी कुछ पंक्तियों द्वारा ,हर चीज की सीमा व शक्ति शाख होती हैं, जो अहम करता पता क्या बात होती हैं। रोष में आकर जलाती दूसरों को जो,आखिर में उस राख की भी आग होती है कुछ गीत हम गुण गुनाते है आओ प्यार के नगमे गाते हैं। क्या रखा है इधर उधर में चलो ठंड है चाय पिलाते हैं।

मौसेरे भाई के साथ रह रही पत्नी, उसी के कमरे में फंदे से लटका मिला पति का शव

बरेली। बरेली के थाना हाफिजगंज के गांव भरसड़ निवासी 40 वर्षीय धर्मपाल का शव शहर के हरुनगला में एक मकान में फंदे से लटका मिला। यहां उसकी पत्नी दूसरे युवक के साथ किराये पर रहती है। पत्नी से उसका मुकदमा चल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ जांच शुरू कर दी है। धर्मपाल के बड़े भाई रामचंद्र ने बताया कि 16 साल पहले थाना इज्जतनगर के चावड मुड़िया गांव निवासी कुसुम के साथ धर्मपाल का विवाह हुआ था। डेढ़ साल पहले कुसुम अपने तीनों बच्चे लेकर अपने रिश्ते के मौसेरे भाई काधरपुर निवासी राजकुमार के साथ चली आई। कुसुम उसके साथ पत्नी की तरह रह रही है। आरोप लगाया कि इन लोगों ने प्रदीप नाम के युवक से बुलवाकर धर्मपाल की पिटाई की।

लैंगिक उत्पीड़न पर कार्यशाला आयोजित

हमारी बेटियों भारत वर्ष की स्वाभिमान हम सभी को मिलकर लिंग भेदभाव मिटाना है

आवाज प्लस डेस्क

हापुड़। यौन उत्पीड़न को लेकर बुधवार को जैन कन्या पाठशाला में लैंगिक उत्पीड़न पर कार्यशाला का आयोजन किया गया! जिसमें विभिन्न विभागों से कार्यालय अध्यक्ष एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान छाया शर्मा अपर जिला जज, स्तुति सिंह क्षेत्राधिकारी हापुड़, पारूल त्यागी प्रधानाचार्य जैन कन्या पाठशाला, प्रतीमा त्यागी एस0एच0ओ0 महिला थाना, अभिषेक त्यागी अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, बाबूराम सदस्य बाल कल्याण समिति, गजेन्द्र बघेल आपदा विशेषज्ञ, व कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी, हापुड़ से मनीष कुमार (संरक्षण अधिकारी) तथा सह आकड़ा विश्लेषक अजय, मुकेश द्वारा अवगत कराया गया कि हमारी बेटियों भारत वर्ष की स्वाभिमान हैं। हम सभी को मिलकर लिंग भेदभाव मिटाना है। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में आवेदन करने के लिए बताया गया। बेटा-बेटी में भेदभाव न करें, दोनों को समान शिक्षा दें, जिससे बेटियां भी अपने पैरों पर खड़ा होकर परिवार, समाज एवं देश का नाम रोशन करें। महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत हेल्पलाइन नम्बर 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवायें एवं 108 एम्बूलेंस सेवाओं के बारे में बताया तथा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, वन स्टॉप सेंटर आदि की जानकारी दी गई।

स्वेटर जर्सी पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

गौतम बुद्ध हैंडिकैप्ड चैरिटेबल स्कूल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा वितरण किए निशुल्क स्वेटर जर्सी

आवाज प्लस डेस्क

हापुड़। गाँव मंसूरपुर में बुधवार को गौतम बुद्ध हैंडिकैप्ड चैरिटेबल स्कूल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में सभी छात्र-छात्राओं को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्दी से बचने के लिए निशुल्क स्वेटर जर्सी एवं खाने के लिए फल हापुड सी ओ स्तुति सिंह के हाथो से वितरित किए गए तथा संस्था द्वारा हापुड़ सीओ स्तुति सिंह को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।आपको बता दे कि गौतम बुद्ध हैंडिकैप्ड चैरिटेबल स्कूल लगभग पिछले 14 वर्षों से समय समय पर सभी छात्र-छात्राओं को निशुल्क शिक्षा के साथ साथ जर्सी स्वेटर, बस्ते एवं स्टेशनरी आदि निशुल्क वितरण करते रहते हैं और गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वितरित किए गए संस्था के अध्यक्ष अशोक आजाद ने बताया की संस्था पिछले 14 वर्षों से समस्त छात्र-छात्राओं को निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है पुलिस क्षेत्राधिकार स्तुति सिंह के द्वारा स्वेटर जर्सी एवं फल पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने बच्चों को बताया कि बच्चों को खूब मन लगाकर पढना चाहिए जिससे अपने मां-बाप के साथ अपने विद्यालय का नाम रोशन हो सके। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अशोक आजाद प्रधानाचार्य, राम भूल सिंह राठौड़, उप प्रधानाचार्य सुषमा देवी, ज्योति सैनी, सुमन कुमारी मुस्कान जितेंद्र चौधरी शिवा ढाबा वाले, अमित कुमार व सम्राट प्रॉपर्टीज के चेयरमेन विनोद सागर आदि लोग मौजूद रहे।

तीन दिवसीय विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव आज से

ड्राइंग, गायन, नृत्य, वाद्ययंत्र, स्पीच और कबाड़ से जुगाड़ आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखायेंगे छात्र

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिये तीन दिवसीय विद्यार्थी प्रतिमा उत्सव आगामी 22 दिसम्बर से एनआरएलसी ट्रेनिंग संस्थान, सेक्टर-जी, जानकीपुरम के ऑडिटोरियम में शुरू हो रहा है। सामाजिक संस्था सोसायटी ऑफ कॅरियर टेक्नोलॉजी (सोक्ट) एवं जन विकास महासभा, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में शुरू हो रहे इस उत्सव का उद्घाटन प्रातः 11 बजे होगा, जबकि समापन कार्यक्रम 24 दिसम्बर को अपराह्न दो बजे होगा। उत्सव के मुख्य आयोजक पंकज तिवारी ने बताया कि उत्सव की शुरूआत प्रातः दस बजे शंखनाद व मंत्रोच्चारण के साथ होगी। इसके उपरान्त विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी आर्ट, ड्राइंग, गायन, नृत्य, वाद्ययंत्र, स्पीच और कबाड़ से जुगाड़ आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेंगे, जो अगले दिन 23 दिसम्बर प्रातः दस बजे से साढ़े चार बजे और 24 दिसम्बर प्रातः दस बजे से दोपहर एक बजे के बीच जारी रहेगी। उत्सव का समापन 24 दिसम्बर को अपराह्न दो बजे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत एवं सामाजिक एवं क्षेत्रीय विकास में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों को सम्मानित करने के साथ किया जायेगा। मुख्य आयोजक पंकज तिवारी ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण, पर्यावरण एवं जल संरक्षण संकल्प, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा एवं कॅरियर मार्गदर्शन, आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जागरूकता, नशामुक्त समाज का संकल्प दिलाने आदि पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, ताकि छात्रों को बेहतर जीवन बनाने के साथ अपना कॅरियर बनाने में मार्गदर्शन मिल सके।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के दृष्टिगत यातायात/सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जागरुक किया गया

आवाज प्लस डेस्क

रामनगर- बाराबंकी। पी जी कॉलेज में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के दृष्टिगत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र विक्रम मिश्र के द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थीयो को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर यातायात के नियमों/यातायात चिन्हों के बारे में जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर एच के मिश्र ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से मोटरसाइकिल पर सवार आगे व पीछे बैठी सवारी को हेलमेट लगाना बहुत जरूरी है। चार पहिया वाहन चलाते समय सीटबेट का प्रयोग अवश्य करें। अंत में महाविद्यालय के मुख्य नियंता प्रोफेसर सुनीत कुमार सिंह ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। गलत दिशा में वाहन नहीं चलाना चाहिए। आप सभी लोग वाहन चालकों को भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने हेतु बराबर जागरूक करना चाहिए। इस मौके पर डॉ विश्वेश कुमार मिश्र, डॉ कृष्ण प्रताप सिंह, ओम कुमार वर्मा, डॉ संजय तिवारी, डॉ सरोज कुमारी सहित अन्य कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चाय बनाने को लेकर विवाद, पति ने तलवार से काट दी पत्नी की गर्दन!

बच्चों को छोड़कर आरोपी फरार

आवाज प्लस डेस्क

गाजियाबाद। विवाद के चलते पति ने घर में रखी धारदार तलवार से पत्नी की गर्दन पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। उसके बाद वह फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी पति की तलाश कर रही है। गाजियाबाद के थाना भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव फ़जलगढ़ में मंगलवार सुबह करीब 6 बजे धर्मवीर नाम के एक व्यक्ति का अपनी पत्नी सुंदरी (50) से सुबह सुबह चाय बनाने को लेकर विवाद हो गया। पति इतने ज्यादा गुस्से में आ गया कि उसने घर के अंदर रखी धारदार तलवार ली और पत्नी, जो चूल्हे पर चाय बना रही थी, उसको पीछे से उसकी गर्दन पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुंदरी और धर्मवीर के पांच बच्चे हैं। जिस समय यह घटना हुई, बच्चे सो रहे थे। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी धर्मवीर फिलहाल फरार है, उसकी तलाश की जा रही है और जल्द हिरासत में लेकर कार्रवाई की जाएगी।

चलती फॉर्च्यूनर कार में लगी आग

दो लोग थे सवार, ऐसे बची जान

आवाज प्लस डेस्क

अल्मोड़ा। रानीखेत बाजार से नैनीताल बैंक सड़क की तरफ जा रही फॉर्च्यूनर कार में सोमवार की देर शाम अचानक आग लग गई। जिससे लोग सकते में आ गए। हालांकि दुर्घटना में कार सवार दो लोगों की जान बाल-बाल बच गई। रानीखेत बाजार से नैनीताल बैंक सड़क की तरफ जा रही फॉर्च्यूनर कार में सोमवार की देर शाम अचानक आग लग गई। जिससे लोग सकते में आ गए। हालांकि दुर्घटना में कार सवार दो लोगों की जान बाल-बाल बच गई। पुलिस ने बताया कि सोमवार की देर शाम नैनीताल बैंक तिराहे पर रानीखेत बाजार की तरफ आ रही चलती कार संख्या डीएल 3सी बीएक्स - 0150 में अचानक आग लग गई। वाहन में दिल्ली निवासी हाल निवासी चिमिनी हाउस मालरोड रानीखेत के कार्तिक हरित, मोहित शर्मा सवार थे। उन्हें आग लगने का पहले ही अंदाजा लग गया और वह वाहन से उतर गए। जिससे जनहानि होने से टल गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। आग लगने से वाहन को काफी नुकसान पंहुचा है। एसआई सुनील बिष्ट ने बताया कि प्रथम दृष्टतया शार्ट सर्किट के चलते आग लगने का अनुमान लगाया जा रहा है।

एक नज़र

ओडिशा से गिरफ्तार किए गए बुखारी से क्राइम ब्रांच पूछताछ करेगी

आवाज प्लस डेस्क

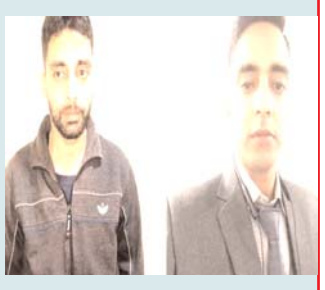

भुबनेर्स्व। ओडिशा से पकड़े गए संदिग्ध कश्मीरी आतंकी बुखारी को क्राइम ब्रांच रिमांड पर लेगी. जाजपुर से गिरफ्तार सैयद इशान बुखारी की 7 दिन की रिमांड के लिए एसटीएफ अर्जी देगी. एसटीएफ एसपी ने कहा, जरूरत पड़ी तो एनआईए जांच के लिए आ सकती है। सैयद बुखारी के पाकिस्तान के कट्टर हिंदू विरोधी मुफ्ती तारिक मसूद से संबंध हैं। इसकी जानकारी एसटीएफ को मिली है. इसके अलावा खबर है कि जम्मू-कश्मीर और पंजाब पुलिस भी बुखारी से पूछताछ करने के लिए ओडिशा आ सकती है। बुखारी की पाकिस्तान आईएसआई एजेंटों से चैटिंग की सीडीआर रिपोर्ट से बुखारी के आतंकी संबंधों का खुलासा होगा। एसटीएफ के मुताबिक, बुखारी के व्हाट्सएप चैट से कई अहम जानकारियां मिली हैं. इसान बुखारी पाकिस्तान के आईएसआई एजेंटों के संपर्क में था। उसके पास से जब्त 4 फोन से कुछ ऐसी जानकारी एसटीएफ के हाथ लगी है. बुखारी व्हाट्सएप पर ढ्स्ढ एजेंटों से चैट कर रहे थे, डर है कि देश की संवेदनशील जानकारी दुश्मन के हाथ में चली गई है. इनमें से कुछ को बुखारी की चार्ट हिस्ट्री से हटा दिया गया है और कुछ अन्य जानकारियां क्राइम ब्रांच एसटीएफ के हाथ लगी हैं. इसलिए क्राइम ब्रांच सिदियार एनालिसिस के आधार पर सारी जानकारियों के रहस्य से पर्दा उठाने के लिए जाजपुर की रिगडी जेल में बंद बुखारी को रिमांड पर लेने की योजना बना रही है।

अवशेष ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण करने के लिए विशेष प्रयास किये जायें- जिलाधिकारी

गोवंश संरक्षण को लेकर भी नियमित संवाद किया जाए- मंगला प्रसाद सिंह

आवाज प्लस डेस्क

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा अवशेष ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण करने के लिए विशेष प्रयास किये जायें साथ ही किसानों को भी प्रेरित किया जाए। पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत विकास खण्ड वार डिमाण्ड तैयार की जाए। जनपद के सभी एफपीओ की अवशेष अपग्रेडिंग का कार्य पूरा किया जाए। किसानों के साथ विकास खण्ड स्तर पर नियमित बैठकें की जाएं। गोवंश संरक्षण को लेकर भी नियमित संवाद किया जाए। जिलाधिकारी ने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि गौशालाओं का कोई भुगतान लम्बित न रखा जाए। जिलाधिकारी ने 24 दिसम्बर को जीआईसी में आयोजित होने वाले दिव्यांग कैम्प के बारे में भी बताया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी, उपनिदेशक कृषि डॉ नन्द किशोर आदि उपस्थित रहे।

राज्यपाल का मुख्यमंत्री को पत्र; गुम्मर खोला, लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान की सलाह दी

आवाज प्लस डेस्क

भुबनेर्स्व। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र. पत्र में अंनगुल और ढेंकनाल जिलों की समस्याओं के समाधान का जिक्र है.राज्यपाल रघुवर दास ने ढेंकनाल और अनुगोल जिलों का दौरा किया और लोगों की समस्याओं को समझा. समस्या की जानकारी होने पर राज्यपाल ने समाधान के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखा. इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न लोगों और संगठनों से मुलाकात और चर्चा की. लोगों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया. राज्यपाल ने राज्य सरकार को इन समस्याओं पर विचार कर उचित कदम उठाने की सलाह दी. उन्होंने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है।

तीन साल की मासूम बच्ची संग चचेरे भाई ने किया दुष्कर्म

झांसी। समथर थाने के अंतर्गत आने वाले एक गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने का मामला सामने आया है। तीन साल की बच्ची के साथ उसके चचेरे भाई ने दरिंदगी की। इसके बाद खून से लथपथ हाल में घर में छोड़कर भाग निकला। आरोपी के खिलाफ परिजनों ने समथर थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। बच्ची का मेडिकल चेकअप कराने के साथ ही पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है। बच्ची के पिता गांव में रहकर खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि सोमवार को वह खेत पर गए थे। बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाला उनका भतीजा घर पहुंचा। बच्ची को खिलाने के बहाने अपने साथ गोदी में उठाकर ले गया। कुछ देर बाद बच्ची को रोता हुआ घर में छोड़कर भाग निकला। बच्ची को रोता देख जब परिवार के लोग पहुंचे तब उसके प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। देर-शाम परिजन बच्ची को लेकर समथर थाने पहुंच गए। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के मुताबिक परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

किशुनपुर में हुआ रामलीला का भव्य आयोजन

आवाज प्लस डेस्क

रामनगर बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत किशुनपुर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धनुष यज्ञ समाज किशुनपुर कमेटी के द्वारा चार दिवसीय रामलीला का भव्य आयोजन किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बीते सत्र 1955 में कमेटी के कर्ता धर्ता रहे स्व. बाबू लाल विश्कर्मा, स्व. प्रयाग बक्श सिंह, स्व. नन्हे सिंह,स्व. राम प्रशाद सिंह उर्फ राजा ठाकुर के द्वारा इस कार्यक्रम का सुभारम्भ हुआ था और तब से लेकर आज तक हर वर्ष इस कार्यक्रम को कमेटी व ग्रामीणों के सहयोग से कराया जाता है। जिसमे हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामलीला का सुभारम्भ नारद मोह से हुआ,उसके बाद रामजन्म की मनमोहक प्रस्तुति दिखाई गई। दूसरे दिन वनगमन,गंगा अवतरण,ताड़का वध की सुंदर प्रस्तुति गांव के ही कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किया गया। रामलीला को देखने के लिए ग्राम गोंदौरा, देवसानी, अगानपुर, अमोली कीरतपुर और भी कई गांवों से आये हुए दर्शकों की खचाखच भीड़ उमड़ पड़ी। रामलीला के तीसरे दिन नगर दर्शन और फुलवारी कार्यक्रम कर ग्रामीण कलाकारों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर कौशल किशोर मिश्रा,साकेत मिश्रा, तुलसी राम मौर्या, कैलाश बक्श सिंह उर्फ छेदी सिंह, शुशील सिंह,उमेश विश्कर्मा, ज्ञानू सिंह सहित तमाम दर्शक उपस्थित रहे।

महान क्रांतिकारियों के बलिदान दिवस पर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद राजि0 ने माल्यार्पण कर दी विनम्र श्रद्धांजलि

आवाज प्लस डेस्क

शाहजहांपुर। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद राजि0 के जिला अध्यक्ष फसाद खान एवं समस्त सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा शाहजहांपुर के महान क्रांतिकारियों के बलिदान दिवस पर शहीद अशफाक उल्ला खान,पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ,ठाकुर रोशन सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि दी 19 दिसंबर 2023 को नायक टाइगर फोर्स की टीम द्वारा शाहजहांपुर के सपूत वीर शहीद अशफ़ाकउल्ला खान का शहीद दिवस बड़े श्रद्धा के साथ मनाया गया इस मौके पर उन्हें दीप जलाकर व पुष्प अर्पितकर श्रद्धांजलि दी । शाहजहांपुर में स्थित शहीद पार्क टाउनहॉल में देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले काकोरी कांड के महा बलिदानी अशफाक उल्ला खां, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन लाल सिंह को भारत की जनता को लूटने वाले अंग्रेजी हुकूमत को कोकरी में ललकारने वाले मां भारत के जिला शाहजहांपुर के वीर सपूतों के बलिदान दिवस पर मैं कोटि- कोटि नमन करते हुए जिला फसाद खान ने कहा अशफ़ाकउल्ला खान ने मुल्क की आजादी के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी थी उनके अंदर का जुनून देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणादायक रहेगा । देश की आजादी के लिए सभी मुस्लिम सिख इसाई आपस में सब भाई-भाई मिलकर अपना अपना योगदान रहा जिसमे सभी वर्गों के लोगों ने बराबर का योगदान दिया । जो देश की आजादी के लिए शहीद हुए हैं उनका सपना देश के नागरिकों को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करना था। काकोरी कांड के लिए उन्हें फैजाबाद जेल में 19 दिसंबर 1927 में फांसी पर चढ़ा दिया गया था. आपको बता दें, अशफाक उल्ला के साथ इस कांड में राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को फांसी की सजा सुनाई गई थी। इस बीच मौजूद रहे , फसाद खान,,शक्ति कनौजिया ,गगन दिवेदी, छोटू पांडेय ,प्रभात यूनुस खान , जाकिर अली,तबरेज आलम,रोहित शुक्ला,महेश द्वेवेदी निधि सक्सेना आदि

भारत राष्ट्र के महान संत गाडगे महाराज जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर नायक टाइगर फोर्स ने दी श्रद्धांजलि

आवाज प्लस डेस्क

शाहजहांपुर । काशीराम कॉलोनी पार्क में संत गाडगे महाराज की पुण्यतिथि पर नायक टाईगर फोर्स की टीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीत कुमार सहित फसाद खान ,शक्ति कनौजिया , रामवीर ,गगन दिवेदी टिंकू कनौजिया अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा संत गाडगे सेवा संस्थान के कार्यक्रम में शामिल होकर भाव पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को याद करते हुए लोगों को जागरूक करने का कार्य नायक टाइगर फोर्स जो की निरंतर जनहित में कार्य कर रहा है । और क्षेत्रीय लोगों को बताया कि आधुनिक भारत के जनक ऐसे महापुरुष पर गर्व होना चाहिए संत गाडगे महाराज का नाम सर्वोपरि है मानवता के सच्चे हितैषी सामाजिक समरता के धोतक कार्यो तथा उनके विचारों से हम बहुत सीख सकते हैं और हम समाज और राष्ट्र को काफी कुछ दे सकते हैं गाडगे बाबा ने अपने जीवन विचार एवं कार्यो के माध्यम से समाज और राष्ट्र के सम्मुख एक अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत किया है जिनकी आधुनिक भारत को वास्तव में माहिती आवश्यकता है गौतम बुद्ध की भांति पीड़ित मानवता की सहायता तथा समान सेवा के लिए उन्होंने 1905 को गृह त्याग किया था । महान पुरषों के आदर्शो और विचारों को लोगों तक पहुंचाने का कार्य अब नायक टाइगर फोर्स निरंतर कर रहा है और लोगों को उनके विचारों के लिए प्रेरित व कर रहा है शिक्षा और स्वच्छता के प्रति उनका विशेष ध्यान था यही कारण है कि उन्हे स्वच्छता के समान सत्र का जनक कहा जाता है क्योंकि जन-जन में स्वच्छता के प्रति अलग उन्होंने ही जगाया था

बी जानते थे कि स्वास्थ्य के रास्ता स्वच्छता के जरिए ही जाता है इसलिए ही जिस गांव में प्रवेश करते वहां स्वच्छता की शुरुआत कर देते थे ऐसे महान व्यक्तित्व की आज 20 दिसंबर 2023 पुण्यतिथि है जो आजीवन निष्काम कर कर्म करते रहे वे लोकोपकारी कार्यो के कारण ही आज भी लोगों के दिलों पर राज करते हैं इसलिए उन्हें संत गाडगे महाराज जी कहते हैं आधुनिक भारत के इस महामानव को उनके महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नायक टाइगर फोर्स की पूरी टीम की तरफ से कोटि कोटि नमन एवं श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा

आवाज प्लस डेस्क

बरेली। बरेली क्लब मैदान में 15 दिसंबर को योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ था। इसमें लक्ष्य पूरा करने के लिए दंपती को दूल्हा-दुल्हन बनाकर निकाह करा दिया गया। बरेली के भोजीपुरा इलाके में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। अनुदान के लालच में शादीशुदा जोड़े ने दोबारा निकाह कर लिया। दोनों की तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। नगर पंचायत धौराटांडा के पूर्व सभासद मोहम्मद ताहिर ने अधिकारियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर इसकी शिकायत की है। दर्ज कराई शिकायत में मोहम्मद ताहिर ने बताया कि नगर पंचायत धौराटांडा को योजना के तहत 20 शादियां कराने का लक्ष्य मिला था। 15 दिसंबर को बरेली क्लब मैदान में हुए समारोह में लक्ष्य पूरा करने के लिए अधिकारियों ने वार्ड पांच निवासी दंपती को दूल्हा-दुल्हन बनाकर निकाह करा दिया। कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने फोटो खींचे थे। उन्हें सोशल मीडिया पर साझा किया गया।

2024 की जंगऔर इंडिया की तिकड़ी नाखुश

क्या बिगाड़ेगी गठबंधन का खेल?

- I.N.D.I.A में रूठने वाले भी कम नहीं।
- ममता बनर्जी बेमन से कांग्रेस के साथ।
- अखिलेश का एमपी चुनाव वाला गुस्सा अब भी बरकरार।
- नीतीश कुमार को नापसंद है कांग्रेस की सुस्ती।
- इंडिया गठबंधन में कुछ नेता ऐसे हैं जो गठबंधन में खुश नहीं हैं।

आवाज प्लस डेस्क

पटना। विपक्षी गठबंधन की बुनियाद जब से पड़ी है, इसमें शामिल कम से कम तीन नेता तो अक्सर बिदकते रहे हैं। बैठक के पहले ही बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस को औकात बताने के लिए पटना में बैठक की सलाह नीतीश को दी थी। कांग्रेस के इकलौते विधायक को टीएमसी में शामिल कराया। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल तो ऐसे बिदके थे कि साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस का बायकाट कर दिया। मध्य प्रदेश में अपनी उपेक्षा से समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव अब तक खफा हैं। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बने विपक्षी गठबंधन ढ्ढ.ह्ह.ष्ठ.ढ्ढ. में दो दर्जन से अधिक दल शामिल हैं। ढ्ढ.ह्ह.ष्ठ.ढ्ढ. अपने साथ 26 दलों का दावा करता है तो ह्यह्ल 38 पार्टियों का। गोलबंदी की दृष्टि से दोनों गठबंधनों में जबरदस्त जोर आजामाइश दिख रही है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। यह हाल के संपन्न विधानसभा चानों से ही साफ हो गया है। हालांकि विपक्षी गठबंधन में शामिल दल विधानसभा चुनावों के दौरान एकजुट नहीं रह पाए, जबकि एनडीए में ऐसी बात नहीं दिखी। अब लोकसभा में एकजुट रहने के लिए सभी विपक्षी दल बेताब हैं। चूंकि विपक्षी गठबंधन में एकजुटता का अड़ंगा कांग्रेस की ओर से ही आया हुआ था, इसलिए दलों के %दिल% अभी तक नहीं मिल पाए हैं।

समाजवादी पार्टी के नेता और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव के मन से मध्य प्रदेश में कांग्रेस की ओर से की गई समाजवादी पार्टी की उपेक्षा अभी तक बैठी हुई है। अखिलेश कहते हैं कि ईडी रेड पर कांग्रेस या दूसरे विपक्षी नेता भले कुछ भी बोले, लेकिन भाजपा वही काम कर रही है, जो कांग्रेस पहले सत्ता में रहने पर करती थी। यानी अखिलेश के मुताबिक कांग्रेस और भाजपा का चरित्र एक जैसा है। अखिलेश के इस रुख से संकेत मिलता है कि विपक्षी गठबंधन में वे भले शामिल हों, लेकिन उनको कांग्रेस पर भरोसा नहीं है।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं करने वालों में अकेले अखिलेश ही नहीं है, बल्कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी कांग्रेस को ठेंगे पर रखती हैं। बंगाल से वाम दलों को मटियामेट करने के बाद ममता, कांग्रेस का नामलेवा भी बंगाल में नहीं रहने देना चाहती। इसका ज्वलंत उदाहरण तो उसी दिन सामने दिख गया था, जब वाम दलों के सहयोग से उपचुनाव जीत कर आए कांग्रेस के इकलौते विधायक को ममता ने अपनी पार्टी में शामिल कर लिया था। ममता बनर्जी और तृणमूल के दूसरे नेता अक्सर कहते भी हैं कि उनके लिए भाजपा और कांग्रेस समान रूप से दुश्मन हैं। वाम दलों के हरा कर ही टीएमसी सत्ता में आई ती, इसलिए वाम दल को टीएमसी नेता देखना नहीं चाहते।

दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल फिलवक्त खुद आबकारी मामले में उलझे हुए हैं। उनके कई नेता इस मामले में गिरफ्तार भी हुए हैं। गिरफ्तारी की तलवार तो केजरीवाल पर भी लटक रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल को 21 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार उतारने वालों में केजरीवाल की आम आदमी पार्टी भी थी। केजरीवाल भले अभी कांग्रेस के खिलाफ खुल कर बोल नहीं रहे, लेकिन उनका पहले से ही जैसा रुख रहा है, उसे देखते हुए उनके आगे विपक्षी गठबंधन में बने रहने पर संदेह ही बना हुआ है।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार की बात करें तो वे भी कांग्रेस के अब तक के रंग-ढंग से नाराज ही हुए हैं। कहने को तो उनकी नाराजगी विपक्षी एकता की दिशा में कांग्रेस की सुस्ती को लेकर है, लेकिन असली वजह दूसरी है। जिस तरह नीतीश साल भर से विपक्षी एकता के लिए दौड़ते-भागते रहे हैं और कड़ी मेहनत के बाद उन्होंने विपक्षी दलों को एक मंच पर जुटाया, उसका कोई लाभ उन्हें नहीं मिल पाया। हालांकि उन्होंने पीएम बनने की अपनी इच्छा का भी दमन किया, लेकिन हवा में सियासी फिजा में तैरती उन्हें संयोजक बनाने की बात अमल में नहीं आ पाई। उल्टे विपक्षी एकजुटता का काम कांग्रेस ने अपने हाथ में ले लिया। इसलिए नीतीश कब बिदक जाएं कहना मुश्किल है।

चेन्नई ने नीलामी में छह खिलाड़ी खरीदे, शार्दुल की वापसी

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। सीएसके ने मिचेल के अलावा रचिन रवींद्र को 1.80 करोड़ रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 50 लाख रुपये था। शार्दुल ठाकुर के लिए टीम ने चार करोड़ रुपये खर्च किए। उनका बेस प्राइस दो करोड़ रुपये था। आईपीएल के आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में चेन्नई सुपरकिंग्स ने छह क्रिकेटरों को खरीदा। उसके पास छह ही जगह खाली थे। चेन्नई के पर्स में नीलामी के बाद एक करोड़ रुपये बचे रह गए। उसने खिलाड़ियों को रिटेन करने में 66.60 करोड़ रुपये खर्च किए थे। वहीं, नीलामी में 30.40 करोड़ रुपये उसके खर्च हुए। सीएसके ने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और रचिन रवींद्र पर दांव लगाया। वहीं, भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की सीएसके में वापसी हुई। टूर्नामेंट के पिछले सीजन में चेन्नई ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खिताब पर कब्जा किया था। अगली बार भी धोनी ही कमान संभालेंगे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन किया है। चेन्नई ने डेरिल मिचेल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा। मिचेल का बेस प्राइस एक करोड़ रुपये था। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच मिचेल को खरीदने के लिए काफी देर तक बोली चली। दिल्ली की टीम ने 11.50 करोड़ रुपये की बोली लगाने के बाद खुद को अलग कर लिया। ऐसा लग रहा था कि पंजाब की टीम 11.75 करोड़ रुपये में मिचेल को खरीद लेगी, लेकिन यहां से चेन्नई सुपरकिंग्स की एंट्री हुई। इसके बाद चेन्नई और पंजाब में टक्कर हुई। पंजाब की टीम ने 13.75 करोड़ रुपये की बोली के बाद खुद को बाहर कर लिया। चेन्नई ने मिचेल को 14 करोड़ रुपये में खरीद लिया।

सीएसके ने मिचेल के अलावा रचिन रवींद्र को 1.80 करोड़ रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 50 लाख रुपये था। शार्दुल ठाकुर के लिए टीम ने चार करोड़ रुपये खर्च किए। उनका बेस प्राइस दो करोड़ रुपये था। चेन्नई ने अनकैप्ड खिलाड़ी समीर रिजवी के लिए खजाना खोल दिया। टीम ने रिजवी को 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 20 लाख रुपये था।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजूर रहमान को भी खरीद लिया। रहमान का बेस प्राइस दो करोड़ रुपये था। चेन्नई ने उन्हें दो करोड़ में ही खरीदा। उनके अलावा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज अरावेली अवनिश को भी चेन्नई ने टीम में शामिल कर लिया। उनके लिए 20 लाख रुपये खर्च करने पड़े।

रिटेन किए गए खिलाड़ीः एमएस धोनी (कप्तान/विकेटकीपर), मोइन अली, दीपक चाहर, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, ऋतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हंगरगेकर, रवींद्र जडेजा, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, मथीशा पथिराना, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मिचेल सैंटनर, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्ष्णा।

नीलामी में खरीदाः रचिन रवींद्र (1.80 करोड़ रुपये), शार्दुल ठाकुर (चार करोड़ रुपये), डेरिल मिचेल (14 करोड़ रुपये), समीर रिजवी (8.40 करोड़ रुपये), मुस्तफिजूर रहमान (दो करोड़ रुपये), अरावेली अवनिश (20 लाख रुपये)।

रोल के हिसाब से पूरी टीम

सलामी बल्लेबाज- डेवोन कॉनवे, ऋतुराज गायकवाड़, रचिन रवींद्र
मध्य क्रम- समीर रिजवी, अजिंक्य रहाणे, महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), शेख रशीद, अरावेली अवनीश
ऑलराउंडर- रवींद्र जडेजा, डेरिल मिशेल, मोईन अली, शिवम दुबे, निशांत सिंधु, अजय मंडल
तेज गेंदबाज- दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, सिमरजीत सिंह, तुषार देशपांडे, मथीशा पथिराना, मुकेश चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, मुस्तफिजुर रहमान
स्पिनर- महेश तीक्ष्णा, मिशेल सेंटनर, प्रशांत सोलंकी

संभावित प्लेइंग-11

ऋतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉन्वे, अजिंक्य रहाणे, डेरिल मिचेल, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी (कप्तान/विकेटकीपर), दीपक चाहर, महेश तीक्ष्णा, मथीशा पथिराना, तुषार देशपांडे/शार्दुल ठाकुर।

तीसरे वनडे को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगा भारत

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने पार्ल में नौ मैच खेले हैं। इस दौरान आठ मुकाबले जीते हैं। उसे सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस मैदान पर भारत ने पांच मैच खेले हैं। इस दौरान दो जीते हैं और दो हारे हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ 1997 में मैच टाई हो गया था। इस मैदान पर दक्षिण अफ्रीका का औसत स्कोर 170 रन है। वहीं, भारत का औसत स्कोर 268 रन है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां दो वनडे मैच हुए हैं। अफ्रीकी टीम ने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में भारत को सीरीज जीतने के लिए पहली बार पार्ल में जीत भी हासिल करनी होगी।

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने पार्ल में नौ मैच खेले हैं। इस दौरान आठ मुकाबले जीते हैं। उसे सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस मैदान पर भारत ने पांच मैच खेले हैं। इस दौरान दो जीते हैं और दो हारे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला गुरुवार (21 दिसंबर) को खेला जाएगा। दोनों टीमें पार्ल के बोलैंड पार्क में आमने-सामने होंगी। सीरीज में भारत और दक्षिण अफ्रीका 1-1 की बराबरी पर है। इस मैच को जीतने वाली टीम सीरीज को 2-1 से अपने नाम कर लेगी। भारत यहां पिछली बार 2018 में सीरीज जीता था। उसके बाद 2022 में केएल राहुल की कप्तानी में हार का सामना करना पड़ा था। राहुल इस बार उस कमी को पूरा करना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने पार्ल में नौ मैच खेले हैं। इस दौरान आठ मुकाबले जीते हैं। उसे सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस मैदान पर भारत ने पांच मैच खेले हैं। इस दौरान दो जीते हैं और दो हारे हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ 1997 में मैच टाई हो गया था। इस मैदान पर दक्षिण अफ्रीका का औसत स्कोर 170 रन है। वहीं, भारत का औसत स्कोर 268 रन है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां दो वनडे मैच हुए हैं। अफ्रीकी टीम ने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में भारत को सीरीज जीतने के लिए पहली बार पार्ल में जीत भी हासिल करनी होगी।

"IDL-2023" इण्टर डिपार्टमेण्टल लीग (टी-20 क्रिकेट)!

सिक्योरिटी हंटर्स ने इलेक्ट्रिकल थंडरबोल्ट को 91 रनों से हराकर सेमी फाइनल में किया प्रवेश

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ । पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल क्रीड़ा संघ द्वारा ऐशबाग रेलवे स्टेडियम में आयोजित ''अन्तर विभागीय टी-20 क्रिकेट लीग द्वितीय-2023'' में आज का तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच सिक्योरिटी हंटर्स व इलेक्ट्रिकल थंडरबोल्ट के मध्य खेला गया। इलेक्ट्रिकल थंडरबोल्ट ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। सिक्योरिटी हंटर्स की टीम ने पहले खेलते हुए, निर्धारित 20 ओवरों में 07 विकेट के नुकसान पर शानदार 226 रन बनाये। जिसमें रामआशीष यादव ने शानदार खेलते हुए 110 रन बनाए तथा अखिलेश यादव ने 70 रनों का योगदान दिया। इलेक्ट्रिकल थंडरबोल्ट की ओर से गेंदबाजी करते हुए उपवन सिन्हा व एजाज़ ने 02-02 विकेट एवं नीरज, दिनेश व साकिब ने 01-01 विकेट प्राप्त किया।

इलेक्ट्रिकल थंडरबोल्ट की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 08 विकेट खोकर 135 रन ही बना सकी। जिसमें सुनील यादव ने सर्वाधिक 42 रन, भूपेन्द्र व उपवन सिन्हा ने 11-11 रनों का योगदान दिया। सिक्योरिटी हंटर्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए जय सिंह ने 04 विकेट, अमित सिंह,राजेश,मुन्ना शाह व इमरान ने 01-01 विकेट प्राप्त किया। सिक्योरिटी हंटर्स ने लक्ष्य का पीछा करने उतरी इलेक्ट्रिकल थंडरबोल्ट को 91 रनों से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया।

चौथा क्वार्टर फाइनल मैच जनरल जायंट्स व मैकेनिकल मावरिक्स के मध्य खेला गया। जनरल जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का फैसला किया। जनरल जायंट्स की टीम ने 20 ओवरों में 06 विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए। जिसमें सफदर हुसैन ने सर्वाधिक नाबाद 23 रन, पी.उदीत ने 14, अंकित सचान ने नाबाद 14 तथा रंजीत कुमार ने 12 व राहुल यादव ने 11 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैकेनिकल मावरिक्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए दीप चन्द्र ने 02, मनीष राय, रोहित, बलराम तथा विवके पाण्डेय ने 01-01 विकेट प्राप्त किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मैकेनिकल मावरिक्स टीम ने 16.4 ओवरों में 03 विकेट के नुकसान पर 116 रन बना कर 07 विकेट से जनरल जायंट्स टीम को हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया। जिसमें पवन कुमार ने सर्वाधिक नाबाद 40 रन तथा मोहम्मद अज़कर ने नाबाद 32 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। जनरल जायंट्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए रंजीत कुमार ने 02 विकेट प्राप्त किया।

चिराग-सात्विक के लिए साल 2023 रहा सुपरहिट

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। भारत के बैडमिंटन स्टार चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को साल 2023 के लिए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह दोनों बैडमिंटन में पुरुष युगल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं और इस कैटेगरी में वह देश को कई पदक दिला चुके हैं। दोनों ने इसी साल हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था और इस स्पर्धा से चीन के दबदबे को खत्म किया था। एशियाई खेलों में बैडमिंटन 1962 से हिस्सा रहा है और भारत ने पहली 2023 यानी 61 साल में पहली बार पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता। इस साल इन दोनों की उपलब्धियों की वजह से देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला लिया गया। दोनों को नौ जनवरी को राष्ट्रपति भवन में होने वाले विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। इन दोनों ने पिछले साल हुए बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भी पुरुष युगल में भारत को पहली बार स्वर्ण दिलाया था। इन दोनों को अगस्त 2020 में अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। इन दोनों ने इसी साल एशियाई खेलों के बाद नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी। फिलहाल दोनों की रैंकिंग पुरुष युगल में दूसरा है। इन दोनों की खास बात यह है कि जब भी यह कोर्ट में उतरते हैं तो विपक्षी टीम को सटीक कॉम्बिनेशन और शॉट प्लेसमेंट से चकमा देते हैं। इनकी फूर्ति भी देखने लायक होती है। दोनों ही स्मैश में मास्टर हैं और विपक्षी जोड़ी के पास इनका कोई तोड़ नहीं होता।

इन सर्दियों में कलर्स सिनेप्लेक्स कर रहा है 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का सबसे हॉट प्रीमियर

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। एक और साल का खुशनुमा समापन हो रहा है, और इस समापन के लिए हम लेकर आए हैं, 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, जो क्रिसमस के त्योहार को बना देगा ब्लॉकबस्टर। विभिन्न शैलियों की फिल्मों के अपने विस्तृत और रोचक संग्रह को और ज़्यादा मजबूत करते हुए कलर्स सिनेप्लेक्स 24 दिसंबर 2023 को रात 8:00 बजे 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पेश कर रहा है। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी% में मिलेगा वह सब कुछ, जिससे आपका दिन और ज़्यादा दिलचस्प बन जाएगा। इसमें बॉलीवुड संगीत और क्लासिक रोमांस का टाइमलेस आकर्षण एवं शानदार कॉमेडी और ग्लैमर दर्शकों का मन मोह लेंगे। सबसे उत्तम मनोरंजन पेश करने की अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत कलर्स इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के साथ अपनी फिल्मों की मजबूत लाइनअप को और ज़्यादा रोमांचक बना रहा है। तो पॉपकॉर्न की तैयारी कर लें, सोफे तैयार कर लें, और रॉकी के इन शब्दों को याद करें ङ्क अब पूरा चेक आउट करने का समय आ गया है - क्योंकि रॉकी रंधवा और रानी चटर्जी आपके साथ क्रिसमस मनाने आ रहे हैं!

हीरू यश जौहर, करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित, रोमांस ड्रामा कॉमेडी 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। उनके अलावा तोता रॉय चौधरी, चूर्णी गांगुली, आमिर बशीर और क्षिति जोग भी इसमें दिखाई देंगे। करण जौहर के निर्देशन में बनी यह ब्लॉकबस्टर एक आधुनिक समय की प्रेम कहानी है, जिसे पुराने समय की प्रेम कहानी में बुना गया है। इसमें एक जोशीले पंजाबी, रॉकी और एक तेजतर्रार बंगाली पत्रकार, रानी का सफ़र दिखाया गया है, जो एक दूसरे से प्यार करने लगते हैं। यह जानने के लिए कि वो परफ़ेक्ट पार्टनर हैं या नहीं, वो एक-दूसरे के परिवारों के साथ रहने का फैसला करते हैं। मज़ेदार और सोचने के लिए प्रेरित करने वाले कई क्षणों के साथ करण जौहर द्वारा निर्देशित यह फिल्म प्रेम की पेचीदगियों, परिवार और इस प्रेम के लिए पीढ़ियों की परंपरा को चुनौती देने के साहस का आकलन करती है।

वायकॉम18 के हिंदी मूवीज क्लस्टर के बिजनेस हेड रोहन लावसी कहते हैं, ÷त्योहारों के इस सीज़न में हम 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ धमाकेदार मनोरंजन पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं। कलर्स सिनेप्लेक्स में, हम हमेशा नॉन-स्टॉप मनोरंजन देते हुए दर्शकों की पहली पसंद रहे है, इस बात पर हमें गर्व है, की त्योहारों के दौरान मनोरंजन द्वारा हम परिवारों को एक साथ जोड़ते हैं। इस क्रिसमस पर, हम अपने संग्रह में एक और अदभुत प्रेम कहानी पेश करके बहुत उत्साहित हैं। और हमारा उत्साह ही बेहतरीन मनोरंजक देने के लिए हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। %रॉकी और रानी की प्रेम कहानी% हमारी फिल्मों की खूबसूरत लड़ियों में एक दिल छू लेने वाला मनोरम एहसास है, जो दर्शकों को एक सुखद और आनंदमय अनुभव का वादा करता है। हम प्यार और हँसी के सफर पर निकलने के लिए बेहद रोमांचित है। हम अपने सभी दर्शकों को सिनेमा और क्रिसमस का जश्न मनाने के लिए 24 दिसंबर को रात 8:00 बजे हमारे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के विश्व टेलीविजन प्रीमियर पर अपने विचार साझा करते हुए करण जौहर कहते हैं, ÷रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ सात सालों बाद सिनेमाघरों में मैं वापसी कर रहा हूं और मेरे काम को लोगों ने इतना प्यार दिया की मैं दंग रह गया। इसने यह साबित कर दिया कि 'प्यार है तो सब हैं' यानी यह युग प्यार का है। कलर्स सिनेप्लेक्स पर इसका वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर जानदार सितारों - धर्मेंद्र जी, जया बच्चन जी, शबाना आजमी जी, रणवीर सिंह और आलिया भट्ट के साथ काम करने की खुशी का अहसास एक बार फिर से करा रहा है। प्रीतम दा और अमिताभ भट्टाचार्य की मेरी बहुमूल्य स्वप्न टीम ने इस एल्बम के लिए बेहद खूबसूरत ट्रैक बनाए है।।अपने दिलों को थाम लीजिए और तैयार हो जाइए पॉपकॉर्न के साथ। मैं दर्शकों को इस क्रिसमस पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ मनोरंजन के तूफानी सफर पर जाने के लिए आमंत्रित करता हूँ। रणवीर सिंह ने कहा, इस फ़िल्म की रिलीज़ को थियेटर में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी, और अब इसे कलर्स सिनेप्लेक्स पर वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर द्वारा लाखों लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूँ, क्योंकि यह फ़िल्म पूरे देश के दर्शकों को भावनाओं और रोमांस के यादगार सफ़र पर ले जाएगी। इस फिल्म का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, क्योंकि इसमें आत्माओं के मिलन के लिए प्यार की ताक़त और क्षमता दिखाई गई है, जो एक अटूट पारिवारिक प्रेम की कहानी में बनी हुई है। मेरी कामना है कि इस क्रिसमस पर 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का मोहक जादू हर किसी के दिल में उतर कर सभी के लिए सौहार्द्र और खुशी लेकर आये।

आलिया भट्ट ने कहा, क्रिसमस मेरे सबसे पसंदीदा त्योहारों में से एक है, और यह मैं अपने सभी फैन्स के साथ मनाना पसंद करती हूँ। यह खुशी, प्यार और एकजुटता का मौसम है और हमारी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी यही दिखाया गया है। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है और कलर्स सिनेप्लेक्स पर इसके वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ आपका त्योहार और ज़्यादा आकर्षक एवं खुशनुमा बन जाएगा। रविवार, 24 दिसंबर रात 8:00 बजे देखिए 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर केवल कलर्स सिनेप्लेक्स पर।

जवा दिखने के लिए लगाएं मंद्ढे से बना फेस पैक

हर भारतीय दूध व दूध से बनने वाले अन्य पदार्थों का सेवन किसी ना किसी रूप में करता है। मक्खन से निकलने वाले मंठे के सेवन से शरीर को ठंडक प्रदान होती है। पर क्या आप जानते हैं कि पाचन तंत्र को सुधाने के अलावा यह मंठ्ठा आपको जवा दिखने में मदद कर सकता है? मंठ्ठे में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा पर से डेड स्किन सेल को हटाता है तथा आपकी निखरी त्वचा को उभारता है। इसमें मौजूद जरूरी फैट त्वचा में भीतर तक समाते हैं, त्वचा को हाइड्रेट करके उसे टाइट व चमकदार बनाते हैं। मंठ्ठे में उच्च मात्रा में मौजूद फैट त्वचा पर अपना जादू बिखेरता है। यदि आप भी जवा दिखना चाहते हैं तो नीचे दिए गए मंठ्ठे से बने फेस पैक को आज़माएं। 1 टैंन के लिए पैक एक कटोरी में एक चम्मच मंठ्ठा व एक चम्मच टमाटर का रस मिलाएं। रूई की मदद से इस पैक को अपनी त्वचा पर लगाएं। 30 मिनट बाद, अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें। 2 रूखी त्वचा के लिए पैक यह नैचरल फेस पैक रूखी त्वचा को मोइस्चराइज़ करके त्वचा को साफ व कोमल बनाता है। इस पैक को बनाने के लिए 1 चम्मच मंठ्ठे में आधा चम्मच क्रीम मिलाएं।

इस घोल से अपनी त्वचा की मालिश करें। आधे घंटे बाद ठंडे पानी से अपने चेहरे को धो लें। 3 बेदाग त्वचा के लिए पैक ब्लीचिंग व जीवाणुरोधी गुणों से युक्त यह पैक आपके चेहरे को मुलायम व बेदाग बनाएगा। इसके लिए 1 चम्मच मंठ्ठे में थोड़ा सा आम व 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस सामग्री को मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को अपने चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 30 मिनट बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें। 4 मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए स्क्रब मंठ्ठे का बना यह स्क्रब त्वचा से डेड स्किन को हटाकर पोर्स को बंद करता है। 1/4 कप मंठ्ठे में डु कप मोटा नमक व 10 बूंदें बादाम के तेल की मिलाएं। इस मिश्रण को एक पेस्ट के रूप में तैयार करें। अब इससे धीरे-धीरे अपने चेहरे की मालिश करें। 20 मिनट बाद अपने चेहरे को धो

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
आवाज प्लस
समाज में प्रभावी आगाज़
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक संजीव श्रीवास्तव द्वारा एफ एफ 01, बसंत बिहार कॉलोनी, दुबग्गा, लखनऊ- 226003 (उ0प्र0) भारत से मुद्रित व अमर उजाला पब्लिकेशन लिमिटेड, बी 5, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक - संजीव श्रीवास्तव

हिंदी दैनिक आवाज प्लस में प्रकाशित किसी भी प्रकाशित सामग्री से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं। आवाज प्लस से संबंधित किसी भी प्रकार का विवादों का न्यायिक क्षेत्र सिर्फ लखनऊ न्यायालय की मान्य होगा।

प्रबन्ध कार्यकारिणी
सम्पादकीय प्रभारी - अमित त्यागी
प्रशासनिक प्रभारी - अभिषेक सिंह
कार्यकारिणी सम्पादक - सुदीप द्विवेदी
सह सम्पादक - अल्तमश खान
प्रबन्ध निदेशक - नितेश सिंह राठौर
विधि सलाहाकार - रोशन खत्री

प्रशासनिक कार्यालय
आवाज प्लस मीडिया हाउस
256 बी, एलडीए कॉलोनी कॉलोनी, लखनऊ 226012 उत्तर प्रदेश (भारत)
संपर्क नंबर -8009927772

स्पेशल डे पर दिखे खूबसूरत

हर कोई दुनिया की भीड़ में सबसे अलग दिखाना चाहते है। यह आदत विशेषकर महिलाओं में ज्यादा होती है। हर महिला अपने आपको सबसे खूबसूरत दिखाने की कोशिश में लगी रहती है। यह उत्सुकता उनमे और बढ़ जाती है जब वे किसी स्पेशल डे पर लोगों के बीच में जाती है। वे उस दिन सबके आकर्षण का केन्द्र बनना चाहती है। इस मामले सौंदर्य विशेषज्ञों की राय यह है कि पोषक फलों, सब्जियों के सेवन के साथ ही रोज छह से आठ घंटे जरूर सोना चाहिए। आज हम आपको टीबीसी बाई नेचर की प्रबंध निदेशक और सौंदर्य विशेषज्ञ मोनिका सूद के द्वारा बताए गए कुछ ब्यूटी टिप्सों के बारें में बताने जा रहे है। इन टिप्सों को अपनाकर आप भी अपनी खूबसूरती को लंबे समय तक बरकरार रख सकते है, चेहरे पर काले धब्बे और थकी नजर आने वाली आंखों से बचने के लिए पर्याप्त नींद जरूर लें। पर्याप्त नींद आपके हार्मोस को भी संतुलित करता है। रोजाना 12-15 गिलास पानी जरूर पीएं, त्वचा की परेशानियों से बचने के लिए विटामिन्स, मिनरल्स और एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर फलों और सब्जियों का सेवन करें। यह आपकी त्वचा की कोशिकाओं की मरम्मत भी करता है। विटामिन सी से भरपूर पपीता, कीवी, अमरूद आदि खाना चाहिए, सर्दियों में केसर युक्त फेशवॉस का इस्तेमाल करें। गुलाब जल, शहद, हल्दी चंदन का पेस्ट लगाकर चेहरा साफ करें, घर पर बने फेस पैक प्राकृतिक तरीके से आपकी त्वचा में चमक व सौम्यता लाते हैं। तेज धूप में त्वचा का रंग काला पड़ जाना या धब्बे आदि पड़ जाने पर तुलसी की पत्तियों को पीसकर उसमें थोड़ा गुलाबजल, दो छोटा चम्मच पिसी चीनी और एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट लगाएं रखने के बाद इसे धो लें, होने वाली दुल्हन के चेहरे पर चमक लाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों का फेस पैक कारगर उपाय है। अगर तैलीय त्वचा है तो पंखुड़ियों को पीसकर उसमें थोड़ा दूध मिलाएं और अगर रूखी त्वचा है तो थोड़ा दूध का क्रीम मिलाकर 20 मिनट तक लगाएं, फिर गुनगुने पानी से धो लें, दुल्हनें सिर्फ अपने चेहरे के रंग को साफ करने पर ही ध्यान देती हैं व कोहनी की सूखी मृत त्वचा को हटाने की ओर ध्यान नहीं देतीं।